DEPARTMENT OF HINDI

SREE SANKARACHARYA UNIVERSITY OF SANSKRIT, KALADY

DRAFT SYLLABI OF MA DEGREE IN HINDI LANGUAGE & LITERATURE

(OBTE-OUTCOME BASED TEACHING AND LERARNING)

CONTENT

		Page No
1.	Programme Outcomes of SSUS	3
2.	General Structure of the Programme in MA Hindi Language and Literature and its Programme Specific Outcomes (PSOs)	4
3.	Details of the courses offerd in the faculty of Indian Language –Dept. of Hindi	5-7
4.	Semesterwise course details-First Semester-Core	8-18
5.	Semesterwise course details-Second Semester-Core	19-31
6.	Semesterwise course details-third Semester-Core	32-39
7.	Semesterwise course details-fourth Semester-Core	40-53
8.	Semesterwise course details-first Semester-Elective-	54-73
9.	Semesterwise course details-third Semester-Elective-	74-95
8.	course offered to other Departments- Second Semester	96-98
9.	course offered to other Departments- Third Semester	99-105

Programme Outcomes (POs) of SSUS for PG Programmes

PO 1	:	Critical Thinking :	Take informed actions after identifying the assumptions that frame our thinking and actions, checking out the degree to which these assumptions are accurate and valid, and looking at our ideas and decisions (intellectual, organaisational and personal) from different perspectives
PO 2	:	Communication :	Listen,read,comprehend,speak and write clearly and effectively in person and through electronic media in English/regional Language/Language of the discipline and exhibit sound domain knowledge including academic concepts and terminologies
PO3	:	Self –directed and Life Long Learning :	Engage in independent and life long learning in the broadcast context of socio-technological changes.
PO4	:	Ethics :	Understand different value systems including one's own as also the moral dimensions of actions, and accept responsibility for it.

GENERAL STRUCTURE OF THE PROGRAMME

Name of Course	:	M.A. Degree
Duration	:	2 years - 4 semesters
Subject	:	Hindi Language & Literature
Year of Admission	:	2019

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES (PSOs) OF DEPARTMENT OF HINDI FOR MA HINDI LANGUAGE AND LITERATURE

PSO 1: Historicise the Aesthetical sociological experience of Hindi Literature

PSO 2: Appreciation of Literary text

PSO 3: Analyze the multicultural, gender sensibility of Indian society through Hindi Literature

PSO 4: Build up Language as instrument of production, development and critic of power.

Scheme of Course and examination

The Department of Hindi offers credit system in M.A course. The duration of the course is 4 semesters with 64 credits. There will be 16 courses and each course carrying 4 credits. Out of 16 courses 11 courses are core papers, one seminar course and 4 are electives. The system of evaluation will be a combination of Internal and external examination. 50% of the credits will be for internal evaluation. Evaluation will be based on 9 point grading system. There will be three components for internal assessment for each course as follows:

a. Seminar Presentation
b. Assignments
c. Mid Semester Examination

Other things regarding the valuation will be as per the Regulation for the M.A. Programmes under Credit and Semester System Effective from 2019 admission onwards

.

Details of Courses offered in the Faculty of Indian Languages

Department of Hindi

FIRST SEMESTER

COURSE CODE	PAPER	COUSE NAME	NO OF CREDITS
PHNM 10601	I	हिंदी कविता-I(HINDI KAVITHA-I)	4
PHNM 10602	II	हिंदी भाषा की संरचना (HINDI BHASHA KI SANRACHANA)	4
PHNM 10603	III	हिंदी गद्य साहित्य (HINDI GADYA SAHITYA)	4
PHNM	IV	ELECTIVE- I	4

SECOND SEMESTER

COURSE CODE	PAPER	COUSE NAME	NO OF CREDITS
PHNS 10604	V	हिंदी कविता-II(HINDI KAVITHA-II)	4
PHNS 10605	VI	हिंदी नाटक(HINDI NATAK)	4
PHNS 10606	VII	भारतीय काव्यशास्त्र(BHARATEEYA KAVYASHASTRA)	4
PHNS	VIII	ELECTIVE- II(SANSKRIT)	4

THIRD SEMESTER

COURSE CODE	PAPER	COUSE NAME	NO OF CREDITS
PHNM 10607	IX	हिंदी भाषा का इतिहास एवं भाषाविज्ञान(HINDI BHASHA KA ITIHAS EVOM BHASHA VIGYAN	4
PHNM 10608	X	हिंदी कहानी(HINDI KAHANI)	4
PHNM	XI	ELECTIVE- III	4
PHNM	XII	ELECTIVE- IV	4

FOURTH SEMESTER

COURSE CODE	PAPER	COUSE NAME	NO OF CREDITS
PHNS 10609	XIII	हिंदी कविता-III(HINDI KAVITHA-III)	4
PHNS 10610	XIV	पाश्चात्य काव्यशास्त्र (PASCHATHYA KAVYASHASTRA)	4

PHNS 10611	XV	हिंदी उपन्यास (HINDI UPANYAS)	4
PHNS 10612	XVI	सेमिनार कोर्स (SEMINAR COURSE)	4

SEMESTER WISE ELECTIVE COURSES

FIRST SEMESTER

COURSE CODE	PAPER	COUSE NAME	NO OF CREDITS
PHNM 10613	IV	अनुवाद:सिद्धांत एवं प्रयोग(ANUVAD : SIDDHAND EVOM PRAYOG)	4
PHNM 10614	IV	पारिस्थितिक पाठ(PARISTHITHIK PATT)	4
PHNS 10615	IV	हिंदी साहित्य में गाँधी(HINDI SAHITYA MEIN GANDHI)	4
PHNM 10616	IV	दलित साहित्य(DALIT SAHITYA)	4
PHNM 10617	IV	विशेष साहित्यकार प्रेमचंद(VISHESH SAHITYAKAR : PREMCHAND)	4
PHNM 10618	IV	साहित्य और सिनेमा (SAHTIYA AUR CINEMA)	4

THIRD SEMESTER

COURSE CODE	PAPER	COUSE NAME	NO OF CREDITS
PHNM 10619	XI	समकालीन भारतीय साहित्य (SAMKALEEN BHARATEEYA SAHITYA)	4
PHNM 10620	XI	स्त्री पाठ(STHREE PATT)	4
PHNM 10621	XI	प्रगतिशील कविता(PRAGATHISHEEL KAVITHA)	4
PHNM 10622	XI	कथा साहित्य और धर्मनिरपेक्षता (KATHA SAHITYA AUR DHARMANIRAPEKSHATHA)	4
PHNM 10623	XI	तुलनात्मक साहित्य(TULANATMAK SAHITYA)	4
PHNM 10624	XI	आदिवासी साहित्य (ADIVASI SAHITYA)	4

SECOND SEMESTER(FOR OUTSIDE DEPARTMENTS)

COURSE CODE	PAPER	COUSE NAME	NO OF CREDITS
PHNS 10625	VIII	बोलचाल की हिंदी(BOLCHAL KI HINDI)	4

THIRD SEMESTER(FOR OUTSIDE DEPARTMENTS)

COURSE CODE		PAPER	COUSE NAME	NO OF CREDITS
PHNM	10626	XII	कालिदास का पुनर्पाठ(KALIDAS KA PUNARPATT)	4
PHNM	10627	XII	रचनात्मक हिंदी(RACHNATMAK HINDI)	4
PHNM	10628	XII	हिंदी एवं संस्कृत व्याकरण : सामान्य तुलनात्मक अध्ययन (HINDI EVOM SANSKRIT VYAKARAN: SAMANY TULANATMAK ADHYAYAN)	4

TOTAL CORE :	11X 4	=	44 CREDITS
TOTAL ELECTIVES :	4 X4	=	16 CREDITS
SEMINAR COURSE :	4 X1	=	4CREDITS

		TOTAL	64 CREDITS

SEMESTER WISE CORE DETAILS

Course Outcomes, Content, Tagging and Reading of Core Courses

FIRST SEMESTER

PHNM10601 – हिंदी कविता-1(HINDI KAVITHA-1)क्रेडिट-4

CO	COURSE LERANING OUTCOMES
CO 1	साहित्येतिहास के अर्थ और स्रोत,इतिहास-लेखन की प्रक्रिया एवं पद्धतियों को समझना।
CO 2	सामाजिक,राजनीतिक,आर्थिक,धार्मिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में रखकर आदिकालीन काव्य धाराओं को परखना।
CO 3	पूर्वमध्यकालीन परिस्थितियों का आकलन करना
CO 4	भक्ति आंदोलनों का प्रादुर्भाव ,दार्शनिक पक्ष तथा उत्तर और दक्षिण के भक्ति आंदोलन एवं पृष्ठभूमि का विश्लेषण करना।
CO 5	मध्यकालीन हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियों एवं विभिन्न काव्य शाखाओं की अवधारणा प्राप्त करना
CO 6	भक्तिकालीन काव्यधाराओं का साहित्यिक वैशिष्टय और भारत की भावात्मक एकता के लिए योगदान को समझना
CO 7	उत्तर मध्यकालीन दरबारी परंपरा के साहित्य की प्रवृत्तियों को जानना
CO 8	विभिन्न रीतिकाव्यों की अवधारणा से अवगत होना
CO 9	रीतिकालीन गद्य पद्य रचनाओं के साहित्यिक एवं भाषाई वैशिष्ट्य का विश्लेषण करना
CO 10	निर्धारित कृतियों (Text) का विश्लेषण प्रवृत्तियों के आधार पर करना

इकाई-1 साहित्य का इतिहास-अर्थ,स्रोत,साहित्य के इतिहास लेखन की प्रक्रिया-हिंदी साहित्य के इतिहास का इतिहास-आदिकाल-सामाजिक,राजनीतिक,आर्थिक, सास्कृतिक पृष्ठभूमि-अपभ्रंश साहित्य-सिद्ध काव्य-जैन काव्य-नाथ-पंथी काव्य-दार्शनिक पक्ष-रासो काव्य-चंदबरदायी-पृथ्वीराज रासो-विद्यापति-अन्य कवि

इकाई-2 पूर्वमध्यकाल-सामाजिक,राजनीतिक,सांस्कृतिक,धार्मिक परिस्थितियाँ-भक्ति मार्ग के दार्शनिक पक्ष-भक्ति आंदोलन-दक्षिण भारत से उत्तर भारत की ओर-हिंदी साहित्य में भक्ति आंदोलन-निर्गुण भक्ति काव्य-संत काव्य-प्रमुख प्रवृत्तियाँ-प्रमुख संत कवि-कबीर-क्रांतिकारी कवि और दार्शनिक-प्रेमाख्यान काव्य परंपरा-प्रमुख प्रवृत्तियाँ-प्रमुख सूफी कवि-जायसी-सगुण भक्ति काव्य-रामकाव्य परंपरा-तुलसीदास-कृष्ण भक्ति काव्य-मुख्य विशेषताएँ-अष्टछाप-सूरदास-भारत के भावात्मक समन्वय में संत कवियों का योगदान

इकाई-3 उत्तर मध्यकाल-सामाजिक,राजनीतिक परिस्थितियाँ--प्रमुख प्रवृत्तियाँ-रीति काव्य के भेद-

प्रमुख कवि-केशवदास,भूषण,बिहारी,घनानंद आदि-रीतिकाल में रचित भक्ति एवं नीतिपरक काव्य-गद्य रचनाएँ

इकाई-4 **निर्धारित पुस्तकें**

1.	पद्मावती समय 1-10	सं हरिहरनाथ ठण्डन,विनोद पुस्तक मंदिर
2.	कबीर :आधुनिक संदर्भ में पद- 1,2 सदगुरू महिमा -5 प्रेम विरह-5 साधु महिमा-5	राजदेव सिंह,लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद
3.	पद्मावत का अनुशीलन नागमती वियोग खण्ड- 1-6	सं इद्रचंद्र नारंग,लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद
4.	रामचरितमान-अयोध्याकांड(1-15)	तुलसीदास
5.	सूर पंचरत्न विनय- (1-5) बालकृष्ण-(31-35) भ्रमरगीत-(1-5)	राजदेव सिंह,लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद
6.	रीतिकाव्य संग्रह केशव-(अंगद-रावण संवाद) (35-39) बिहारी -(1-10दोहे) घनानंद-(1-5पद) भूषण-(1-4 पद)	सं विजयपाल सिंह, लोक भारती प्रकाशन

<u>संदर्भ ग्रंथ</u>

1.	हिंदी साहित्य का इतिहास	रामचंद्र शुक्ल , लोक भारती प्रकाशन
2.	हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	रामकुमार वर्मा, लोक भारती प्रकाशन

3.	हिंदी साहित्य का आदिकाल	हज़ारी प्रसाद द्विवेदी,
4.	हिंदी साहित्य का अतीत	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ,
5.	हिंदी साहित्य का इतिहास	विजेन्द्र स्नातक, साहित्य अकादमी
6.	हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास I & II	गणपतिचनद्र गुप्त, लोक भारती
7.	हिंदी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास	मोहन अवस्थी, वाणी प्रकाशन
8.	हिंदी साहित्य का आदिकाल	हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन
9.	हिंदी साहित्य की भूमिका	हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल
10.	हिंदी साहित्य का अतीत I & II	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन
11.	हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास	बच्चन सिंह, राधा कृष्ण प्रकाशन
12.	हिंदी साहित्य :उद्‌भव एवं विकास	हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल
13.	हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास	सं धीरेन्द्र वर्मा,नागरी प्रचारिणी सभा
14.	प्राचीन कवि	विश्वंभर मानव, लोक भारती प्रकाशन
15.	भक्ति सिद्धांत	आशा गुप्ता, लोक भारती प्रकाशन
16.	मध्ययुगीन प्रेमाख्यान	श्याम मनोहर पाण्डेय, लोक भारती
17.	रीतिकालीन भारतीय समाज	शशि प्रभा प्रसाद, लोक भारती प्रकाशन
18.	हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग	नामवर सिंह, लोक भारती प्रकाशन
19.	हिंदी साहित्य की संवेदना का विकास	रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती
20.	भक्ति आंदोलन : इतिहास और संस्कृति	कुँवरपालसिंह, वाणी प्रकाशन
21.	केशवदास	डॉ विजयपालसिंह,
22.	बिहारी	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
23.	बिहारी सतसई	डॉ रामकुमार वर्मा
24.	रीतिकाल का पुनर्मूल्यांकन	डॉ जय भगवान
25.	घनानंदः काव्य कौस्तुभ	रामधर त्रिपाठी
26.	केशव की काव्य चेतना	डॉ विजयपालसिंह,
27	कबीर मीमांसा	डॉ रामचंद्र तिवारी
28	भक्ति काव्य का समाज दर्शन	डॉ प्रेमशंकर

29	कबीर साहित्य की परख	डॉ परशुराम चतुर्वेदी
30	सूर साहित्य	डॉ चंद्रभान रावत
31	सूर साहित्य	हज़ारी प्रसाद द्विवेदी
32	तुलसी साहित्य बदलते प्रतिमान	डॉ चंद्रभान रावत
33	तुलसी : एक अध्ययन	रामप्रसाद मिश्र
34	कबीर और तुलसी की सामाजिक दृष्टि का तुलनात्मक अध्ययन	सरिता राय
35	रीति काव्य की भूमिका	डॉ नगेन्द्र
36	वैष्णविसम,शैविसम एण्ड मैनर रिलीजस सेक्टस्	डॉ भण्डारकर
37	मध्य युगीन सूफी और संत साहित्य	डॉ मुक्तेश्वर तिवारी
38	अष्टछाप	डॉ धीरेन्द्र वर्मा
39	सूफी मत और हिंदी साहित्य	विमल कुमार जैन, आत्मराम एण्ड सन्स
40	हिस्टरी ऑफ मिडिवल इंडिया	एल पी शर्मा, कोणार्क पब्लिशर्स,
41	भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य	मैनेजर पांडेय

COURSE –हिंदी कविता**I(HINDIKAVITA I)** Credit :4 Total 72 Hours

CO	CO Statement	PO/PSO	CL	KC	Class Session & Tutorial Hour	Lab/Field Hours	Assessment
CO 1	साहित्येतिहास के अर्थ और स्रोत,इतिहास-लेखन की प्रक्रिया एवं पद्धतियों को समझना।	PO 1/PSO	U	F	05	00	
CO 2	सामाजिक,राजनीतिक,आर्थिक,धार्मिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में रखकर आदिकालीन काव्य धाराओं को परखना।	PO 1/PSO1	UAP	F	05	00	
CO 3	पूर्वमध्यकालीन परिस्थितियों का आकलन करना	PO 1, /PSO 1	AN	F	05	00	
CO 4	भक्ति आंदोलनों का प्रादुर्भाव ,दार्शनिक पक्ष तथा उत्तर और दक्षिण के भक्ति आंदोलन एवं पृष्ठभूमि का विश्लेषण करना।	PO 1/PSO 1	AN	F	05	00	
CO 5	मध्यकालीन हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियों एवं विभिन्न काव्य शाखाओं की अवधारणा प्राप्त करना	PO 1/PSO 1	U	F	05	04	
CO 6	भक्तिकालीन काव्यधाराओं का साहित्यिक वैशिष्टय और भारत की भावात्मक एकता के लिए योगदान को समझना	PO 1/PSO 3	U EV	F	06	00	
CO 7	उत्तर मध्यकालीन दरबारी परंपरा के साहित्य की प्रवृत्तियों को जानना	PO 1/PSO 3	U AN	F C	08	00	
CO 8	विभिन्न रीतिकाव्यों की अवधारणा से अवगत होना	PO 1/PSO 1	U	F	10	00	
CO 9	रीतिकालीन गद्य पद्य रचनाओं के साहित्यिक एवं भाषाई वैशिष्ट्य का विश्लेषण करना	PO 1/PSO 2	U AN	C	08	00	
CO 10	निर्धारित कृतियों (Text) का विश्लेषण प्रवृत्तियों के आधार पर करना	PO 1/PSO 3	AN	P	15	00	

PHNM 10602 हिंदी भाषा की संरचना (HINDI BHASHA KI SANRACHANA)

क्रेडिट-4

Course learning Outcomes

CO 1 स्वरों एवं व्यंजनों को उनकी विशेषताओं के परिप्रेक्ष्य में समझना।

CO 2 हिंदी की आक्षरिक संरचना का विश्लेषण करना।

CO 3 स्वरों एवं व्यजनों के वर्गीकरण को उनके उच्चारण की पृष्ठभूमि में निर्धारित करना ।

CO 4 उच्चारण एवं लेखन की विशेष संधियों को समझना।

CO 5 संज्ञा,सर्वनाम एवं विशेषण की कारकीय संरचना को निर्धारित करना।

CO 6 क्रिया के रूपांतरण के विभिन्न संदर्भों का विश्लेषण करना।

CO 7 कृदंत, वृत्ति, वाच्य, प्रयोग एवं पक्ष को रूप रचना के आधार पर समझना।

CO 8 अव्ययों की रूपरचना के विभिन्न पहलुओं को समझना।

CO 9 वाक्य रचना की विशिष्टियों एवं उसके विभिन्न संदर्भों का विश्लेषण करना ।

इकाई-1 स्वनिम-स्वरस्वनिम-व्यंजन स्वनिम-खण्ड्य स्वनिम-खण्ड्येतर स्वनिम-बलाघात-अनुतान-दीर्घता-अनुनासिकता-संहिता-केद्रीय एवं परिधीय स्वनिम-स्वनिम एवं उपस्वन के भेद-न्यूनतम युग्म;आक्षरिक संरचना-बद्धाक्षर-मुक्ताक्षर-एकाक्षरी द्वयाक्षरी-त्रयाक्षरी शब्द-स्वर एवं व्यंजन का वर्गीकरण-हिंदी में बोलचाल की संधियाँ-लेखन में प्रयुक्त संधियाँ-ह्रस्वीकरण-महाप्राणीकरण-संस्कृत से हिंदी में आयी प्रमुख संधियाँ

इकाई-2 शब्दों के प्रकार-विकारी एवं अविकारी शब्द-संज्ञा की कारकीय संरचना-सर्वनामों की कारकीय संरचना-विशेषणों की कारकीय संरचना

इकाई-3 क्रिया की रूप रचना-धातु-मुख्य क्रिया-सहायक क्रिया-यौगिक क्रिया-सकर्मक एवं अकर्मक क्रिया-कृदंत-वृत्ति,वाच्य,प्रयोग,पक्ष

इकाई-4 अव्यय-क्रिया विशेषण-प्रक्रिया विशेषण-संबंध विशेषण-संबंध सूचक अव्यय-समुच्चयबोधक अव्यय-वाक्य संरचना-पदबंध-वाक्य के प्रकार-पदक्रम

संदर्भ ग्रंथ

1.	आधुनिक हिंदी व्याकरण एवं रचना	डॉ वासुदेवनंदन प्रसाद , भारती भवन, पटना
2.	शुद्ध हिंदी कैसे सीखें	राजेन्द्र प्रसाद सिंहा
3.	ए बेसिक ग्रामर ऑफ मॉर्डन हिदी	आर्येन्द्र शर्मा
4.	एस्पेक्टस ऑफ हिंदी ग्रामर	यमुना कचरू
5.	हिंदी का समसामयिक व्याकरण	यमुना कचरू
6.	हिंदी भाषा की शब्द संरचना	डॉ भोलानाथ तिवारी,किरण बाला
7.	हिंदी भाषा	डॉ भोलानाथ तिवारी
8.	हिंदी का भाषावैज्ञानिक व्याकरण	केन्द्रीय हिंदी संस्थान,आगरा
9.	व्यावहारिक हिंदी	डॉ ओम प्रकाश शर्मा
10.	हिंदी भाषा की रूप संरचना	डॉ भोलानाथ तिवारी

COURSE – हिंदी भाषा की संरचना (HINDI BHASHA KI SANRACHANA)

Credit :4 Total 72 Hours

CO	CO Statement	PO/PSO	CL	KC	Class Session & Tutorial Hour	Lab/Field Hours	Assessment
CO 1	स्वरों एवं व्यंजनों को उनकी विशेषताओं के परिप्रेक्ष्य में समझना।	PO 1/PSO 4	U	F	7	00	
CO 2	हिंदी की आक्षरिक संरचना का विश्लेषण करना।	PO 1/PSO4	AN	C	9	00	
CO 3	स्वरों एवं व्यजनों के वर्गीकरण को उनके उच्चारण की पृष्ठभूमि में निर्धारित करना ।	PO2, /PSO4	AN	F,P	10	00	
CO 4	उच्चारण एवं लेखन की विशेष संधियों को समझना।	PO 2/PSO 4	U	C	8	00	
CO 5	संज्ञा,सर्वनाम एवं विशेषण की कारकीय संरचना को निर्धारित करना।	PO 2/PSO4	U	F	9	00	
CO 6	क्रिया के रूपांतरण के विभिन्न संदर्भों का विश्लेषण करना।	PO 1/PSO4	U	F	8	00	
CO 7	कृदंत, वृत्ति, वाच्य, प्रयोग एवं पक्ष को रूप रचना के आधार पर समझना।	PO 1/PSO4	U	C	6	00	
CO 8	अव्ययों की रूपरचना के विभिन्न पहलुओं को समझना।	PO 1/PSO 4	U	C	8	00	
CO 9	वाक्य रचना की विशिष्टियों एवं उसके विभिन्न संदर्भों का विश्लेषण करना ।	PO 1/PSO 4	U AN	F,P	7	00	

COURSE –10603 **हिंदी गद्य साहित्य (HINDI GADYA SAHITYA) Credits-4**

Course learning Outcomes

CO 1 गद्य की विविध विधाओं का विश्लेषण करना ।

CO 2 निबंध के प्रकारों को जानना।

CO 3 भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग,शुक्ल युग में निंबंध साहित्य के विकास को परखना।

CO 4 आत्मकथा और जीविनी की संरचनात्मक विशेषताओं को परखना।

CO 5 आत्मकथा और जीवनी को समय के संदर्भों से जोडकर परखना।

CO 6 यात्रा साहित्य और व्यंग्य साहित्य को परखना।

CO 7 रिपोर्ताज,पत्रकारिता,भेंटवार्ता,ब्लॉग का परिचय प्राप्त करना।

CO 8 आत्मकथा और यात्रा संस्मरण को समय के संदर्भ से जोडकर संरचना के आधार पर विश्लेषित करना।

CO 9 निबंध और रेखाचित्र को समय के संदर्भ से जोडकर संरचना के आधार पर विश्लेषित करना।

CO 10 गद्य की विभिन्न विधाओं के संदर्भ में कृति पाठ करना।

इकाई-1 हिंदी निबंध-प्रारंभिक दौर-भारतेन्दु युग-द्विवेदी युग-शुक्ल युग-ललित निबंध-समकालीन निबंध-प्रमुख प्रवृत्तियाँ-विभिन्न प्रकार की गद्य विधाएँ-शैलियाँ एवं विशेषताएँ-प्रमुख निबंधकार

इकाई-2 हिंदी आत्मकथा-जीवनी-रेखाचित्र-डायरी-संस्मरण-प्रमुख साहित्यकार-कृतियाँ

इकाई-3 यात्रा साहित्य-व्यंग्य साहित्य-रिर्पोताज-पत्रकारिता-भेंटवार्ता-ब्लॉग-परिचात्मक अध्ययन-प्रमुख लेखक-विशेषताएँ-कृतियाँ

1.	स्मृति की रेखाएँ (भक्तिन,चीनी फेरीवाला,घीसा)	महादेवी वर्मा,लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद
2.	निबंध:एक यात्रा(कवि कर्तव्य, सदाचार का तावीज़,मेरा राम का मुकुट भीग रहा है,लोभ और प्रीति,देवदारू)	सं सिद्धिनाथ श्रीवास्तव,लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद
3.	जूठन	ओम प्रकाश वाल्मीकि,वाणी प्रकाशन

4. तिब्बत में प्रवेश राहुल सांकृत्यायन

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन बाबू राम ,वाणी प्रकाशन
2. अंतिम दो दशकों का हिंदी साहित्य मीरा गौतम,वाणी प्रकाशन
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास बच्चन सिंह,राधाकृष्ण प्रकाशन
4. बीसवीं शताब्दी का हिंदी साहित्य सं विश्वनाथ प्रसाद तिवारी,भारतीय ज्ञानपीठ
5. भारतेंन्दु हरिश्चन्द्र और हिंदी नव जागरण की समस्याएँ डॉ रामविलास शर्मा,राजकमल प्रकाशन
6. बीसवीं शताब्दी का हिंदी साहित्य विजयमोहन सिंह,राजकमल प्रकाशन
7. हिंदी वाड़मय :बीसवीं शती सं डॉ नगेन्द्र,नागारी प्रचारिणी सभा
8. हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास सं डॉ नगेन्द्र,नागारी प्रचारिणी सभा
9. हिंदी गद्य लेखन में व्यंग्य और विचार सुरेश कांत,राधाकृष्ण प्रकाशन
10. साहित्य विधाओं की प्रकति सं देवी शंकर अवस्थी,राधाकृष्ण प्रकाशन
11. समकालीन हिंदी साहित्य:विविध परिदृश्य रामस्वरूप चतुर्वेदी,राधाकृष्ण प्रकाशन
12. साहित्य विधाएँ -पुनर्विचार हरिमोहन,वाणी प्रकाशन
13. साहित्य विधाएँ :सैद्धांतिक पक्ष मधु धवन,वाणी प्रकाशन
14. साहित्यिक निबंध : आधुनिक दृष्टिकोण बच्चन सिंह,वाणी प्रकाशन
15. हिंदी निबंधकार जयनाथ नलिन,तक्षशिला प्रकाशन
16. साहित्य में गद्य की विविध विधाएँ भाटिया & रचना भाटिया,तक्षशिला
17. महादेवी इंद्रनाथ मदान,राधाकृष्ण प्रकाशन
18. प्रसाद का गद्य साहित्य डॉ राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन
19. दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र ओम प्रकाश वाल्मीकि,राधाकृष्ण
20. दलित विमर्श की भूमिका कंवल भारती
21. दलित विमर्श: कुछ मुद्दे:कुछ सवाल उमाशंकर चौधरी,आधार प्रकाशन

COURSE – **हिंदी गद्य साहित्य(HINDI GADYA SAHITYA)** Credit :4 Total 72 Hours

CO	CO Statement	PO/PSO	CL	KC	Class Session & Tutorial Hour	Lab/Field Hours	Assessment
CO 1	गद्य की विविध विधाओं का विश्लेषण करना।	PO 1/PSO 1	U	F	10	00	
CO 2	निबंध के प्रकारों को जानना।	PO1 /PSO 2	U	F	06	00	
CO 3	भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग,शुक्ल युग में निंबंध साहित्य के विकास को परखना।	PO 1, /PSO 1	U	F	10	00	
CO 4	आत्मकथा और जीविनी की संरचनात्मक विशेषताओं को परखना।	PO 1/PSO 1	U	F	04	00	
CO 5	आत्मकथा और जीवनी को समय के संदर्भों सेजोडकर परखना।	PO 1/PSO 2	U	F	06	00	
CO 6	यात्रा साहित्य और व्यग्य साहित्य को परखना।	PO 1/PSO 2	U	F	04	00	
CO 7	रिपोर्ताज,पत्रकारिता,भेंटवार्ता, ब्लॉग का परिचय प्राप्त करना	PO 1/PSO 2	U	F	04	00	
CO 8	आत्मकथा और यात्रा साहित्य को समय के संदर्भ से जोडकर संरचना के आधार पर विश्लेषित करना।	PO 1/PSO 2	An	M	10	00	
CO 9	निबंध और रेखाचित्र को समय के संदर्भ से जोडकर संरचना के आधार पर विश्लेषित करना।	PO 1/PSO 2	An	M	10	00	
CO 10	गद्य की विभिन्न विधाओं के संदर्भ में कृति पाठ करना।				08		

SECOND SEMESTER

PHNS 10604हिन्दी कविता-2(HINDI KAVITHA-2) क्रेडिट-4

CO 1 1850-1900 तक की राजनैतिक, आर्थिक, धार्मिक स्थितियों को समझना

CO 2 भरतेन्दु युग की साहित्यिक प्रवृत्तियों का विश्लेषण करना

CO 3 भारतेन्दु युग के प्रमुख रचनाकारों और रचनाओं को जानना

CO 4 1900-1920 की राजनैतिक, धार्मिक, आर्थिक परिस्थितियों से अवगत होना

CO 5 द्विवेदी युग के सांस्कृतिक आदान प्रदान की प्रवृत्तियों को विश्लेषित करना

CO 6 द्विवेदी युग के कवियों और उनकी रचनाओं के संदर्भ में जानना

CO 7 हालावाद, प्रयोगवाद, प्रगतिवाद की राजनैतिक, सांस्कृतिक परिस्थितियों को समझते हुए काव्य प्रवृत्तियों का विश्लेषण करना

CO 8 द्विवेदी युग की प्रवृत्तियों के आधार पर दिए गए काव्यों को विश्लेषित करना

CO 9 छायावाद की प्रवृत्तियों के आधार पर दिए गए काव्यों को विश्लेषित करना

CO 10 हालावाद की प्रवृत्तियों के आधार पर दिए गए काव्यों को विश्लेषित करना

इकाई-1 भारतेन्दु युग--सामाजिक,राजनीतिक,आर्थिक,धार्मिक,विभिन्न साहित्यिक परिस्थितियाँ--काव्य प्रवृत्तियाँ - प्रमुख कवि और रचनाएँ।

इकाई-2 द्विवेदी युग-सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, धार्मिक विभिन्न साहित्यिक परिस्थितियाँ--सांस्कृतिक उत्थान- प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ --प्रमुख कवि और रचनाएँ -राष्ट्रीय काव्यधारा।

इकाई-3 छायावादी काव्य --उद्भव - विकास - प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ -- प्रमुख कवि और रचनाएँ-- हालावादी काव्य --प्रगतिवाद -- प्रयोगवाद --प्रमुख कवि और रचनाएँ ।

इकाई-4

1. राम कहाँ मिलेंगे रामनरेश त्रिपाठी
2. यशोधरा मैथिली शरण गुप्त साहित्य सदन,झाँसी
3. कैदी और कोकिला : माखनलाल चतुर्वेदी सं. हरिकृष्ण प्रेमी,राजपाल एण्ड सन्ज़, काश्मीरी गेट, दिल्ली।
4. कामायनी : चिंता जयशंकर प्रसाद,प्रसाद प्रकाशन,गोवर्द्धन सराय, वाराणसी

5. राग विराग-निराला (राम की शक्ति पूजा, जुही की कली, बादलराग-६) — संपादक : रामविलास शर्मा,लोकभारती

6. तारापथ (एक तारा,नौका विहार) — सुमित्रानन्दन पन्त,लोकभारती प्रकाशन

7. यामा ; (प्रथम २ कविताएँ) — महादेवी वर्मा ,लोकभारती प्रकाशन

8. बापू — रामधारी सिंह दिनकर

9. प्रतिनिधि कविताएँ – नागार्जुन
   १. प्रतिबद्ध हूँ, २. सौन्दर्य प्रतियोगिता, ३. अकाल और उसके बाद-नागार्जुन

10. केदारनाथ अग्रवालःचुनी हुई कविताएँ — सं नरेन्द्र पुण्डरीक,अनामिका प्रकाशन
    1. हथौडे का गीत2. मुझ न मारो मान-पान से
    3. चन्दनवा चैती गाता है

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u>

1. हिन्दी काव्य का इतिहास - रामस्वरूप चतुर्वेदी - लोकभारती
2. आधुनिक कविता यात्रा - रामस्वरूप चतुर्वेदी - लोकभारती
3. आधुनिक कवि - रामकिशोर शर्मा - लोकभारती
4. साहित्य और सामाजिक परिवर्तन - बद्रीनारायण (सं) - वाणी प्रकाशन
5. छायावाद रचनालोक - रामदरश मिश्र - वाणी प्रकाशन
6. अंतिम दो दशकों का हिन्दी साहित्य - मीरा गौतम - वाणी
7. बीसवीं शताब्दी का हिन्दी साहित्य -सं. डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी - भारतीय ज्ञानपीठ
8. समकालीन हिन्दी कविता : ए. अरविन्दाक्षन - राधाकृष्ण प्रकाशन
9. छायावाद : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन,
10. हिंदी साहित्यकासंक्षिप्तइतिहास,डॉमधुधवन,वाणी प्रकाशन
11. हिंदी साहित्यकाउत्तरवर्तीकाल,डॉसत्यदेवमिश्र, लोक भारती प्रकाशन,
12. छायावादी कवियों का सांस्कृतिक दृष्टिकोण : डॉ. प्रमोद सिन्हा, लोक भारती
13. प्रसाद, निराला और अज्ञेय - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन

14.प्रसाद, निराला और अज्ञेय - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन

15.महादेवी : नया मूल्यांकन - डॉ. गणपतीचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन

16.निराला का काव्य : विविध सन्दर्भ - डॉ. मीरा श्रीवास्तव, लोक भारती

17.जयशंकर प्रसाद - नन्ददुलारे वाजपेयी, लोक भारती प्रकाशन

18.कवि निराला - नन्ददुलारे वाजपेयी, लोक भारती प्रकाशन

19. महीयसी महादेवी - गंगा प्रसाद पाण्डे, लोक भारती प्रकाशन

20.कामायनी में काव्य संस्कृति और दर्शन द्वारिका प्रसाद सक्सेना,विनोद पुस्तक मन्दिर,

21. कामायनी : एक पुनर्विचार - गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन

22.क्रान्तिकारी कवि निराला - डॉ. बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, विशालाक्षी भवन, चौक,वाराणसी-२२१००१

23.मैथिली शरणगुप्त : प्रासंगिकता के अग्रदूत - कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन

24.माखनलाल चतुर्वेदी की कविताओं में राष्ट्रीय चेतना - सुवास ुल्ले, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, २८, शोपिंङ सेन्टर, कर्मपुरा, नई दिल्ली-११००१५

25.यशोधरा का काव्य सन्दर्भ - डॉ. वीरेन्द्रकुमार बदसूवाला, तक्षशिला प्रकाशन,नई दिल्ली

26. भारतीय राष्ट्रीयता के अग्रदूत - डॉ. कर्ण सिन्हा, कॉलेज बुक डिपो, ८३, टिपोलिया बाज़ार,जयपुर-२

27. राष्ट्रवादी चिन्तक माखनलाल चतुर्वेदी - डॉ. गोपीनाथ कालभोर, जवाहर पुस्तकालय,

28.नागार्जुन की कविता - अजय तिवारी, वाणी प्रकाशन

29. हिन्दी की प्रगतिशील कविता : स्वरूप और प्रतिमान - मृत्युंजय उपाध्याय

30. नागार्जुन:एक लंबी जिरह,विष्णुचन्द्र शर्मा,वाणी प्रकाशन

31.नागार्जुन की कविता,अजय तिवारी,वाणी प्रकाशन

32.नागार्जुन का रचना सेसार,विजय बहादुर सिह,वाणी प्रकाशन

33.नागार्जुन रचनावली,सं शोभाकांत मिश्र,राजकमल प्रकाशन

34.नागार्जुन:मेरे बापुजी,शोभाकांत मिश्र,वाणी प्रकाशन

35.हिन्दी की प्रगतिशील कविता : स्वरूप और प्रतिमान - मृत्युंजय उपाध्याय

36.मार्क्सवाद और हिंदी कविता,जगदीश चतुर्वेदी,राधाकृष्ण प्रकाशन

37.मार्क्सवादी सौन्दर्यशास्त्र की भूमिका,रोहिताश्व,राधाकृष्ण प्रकाशन

38.आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास,डॉ बच्चन सिंह,लोकीभारती प्रकाशन

39.बीसवीं शताब्दी का हिदीं साहित्य का इतिहास, डॉ विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, भारतीय ज्ञानपीठ

40.बीसवीं शताब्दी का हिदीं साहित्य का इतिहास, विजयमोहन सिंह,राजकमल

41.केदार:शेष और अशेष, सं नरेन्द्र पुण्डरीक,अनामिका प्रकाशन

42.केदार नाथ अग्रवाल:चुनी हुई कविताएँ

COURSE –हिंदी कविताII**(HINDI KAVITA II)** Credit :4 Total

72 Hours

CO	CO Statement	PO/PSO	CL	KC	Class Session & Tutorial Hour	Lab/Field Hours	Assessment
CO 1	1850-1900 तक की राजनैतिक, आर्थिक, धार्मिक स्थितियों को समझना	PO 3/PSO 1	U	F,C	09	00	
CO 2	भरतेन्दु युग की साहित्यिक प्रवृत्तियों का विश्लेषण करना	PO 1/PSO4	AN	C	06	00	
CO 3	भारतेन्दु युग के प्रमुख रचनाकारों और रचनाओं को जानना	PO 1, /PSO 1	R	C	06	00	
CO 4	1900-1920 की राजनैतिक, धार्मिक, आर्थिक परिस्थितियों से अवगत होना	PO 1/PSO 1	U	C	06	00	
CO 5	द्विवेदी युग के सांस्कृतिक आदान प्रदान की प्रवृत्तियों को विश्लेषित करना	PO 1/PSO 3	U	C	06	00	
CO 6	द्विवेदी युग के कवियों और उनकी रचनाओं के संदर्भ में जानना	PO 1/PSO 1	U	C	08	00	
CO 7	हालावाद, प्रयोगवाद, प्रगतिवाद की राजनैतिक, सांस्कृतिक परिस्थितियों को समझते हुए काव्य प्रवृत्तियों का विश्लेषण करना	PO 1/PSO 1	U	C	10	00	
CO 8	द्विवेदी युग की प्रवृत्तियों के आधार पर दिए गए काव्यों को विश्लेषित करना	PO 1/PSO 1	U AN	C	07	00	
CO 9	छायावाद की प्रवृत्तियों के आधार पर दिए गए काव्यों को विश्लेषित करना	PO 1/PSO 2	U	C	06	00	
CO 10	हालावाद की प्रवृत्तियों के आधार पर दिए गए काव्यों को विश्लेषित करना	PO 1/PSO 2	U AN	C	08	00	

PHNS 10605 हिन्दी नाटक (HINDI NATAK) क्रेडिट्-4

Course Learning Outcome

CO 1 नाटक के स्वरूप को समझना

CO 2 हिंदी नाटक के इतिहास को समझना तथा प्रत्येक युग के नाटक की प्रवृत्तियों को विश्लेषित करना

CO 3 नाटक के प्रकारों को विस्तार से जानना

CO 4 हिंदी के प्रमुख नाटककारों का परिचय प्राप्त करना

CO 5 संस्कृत एवं पारसी लोक रंगमंच को तथा हिंदी नाटक पर उनके प्रभाव को विश्लेषित करना

CO 6 हिंदी रंगमंच के विकास एवं नाटक के क्षेत्र में हुए प्रयोगों को जानना

CO 7 युगीन परिस्थितियों के आधार पर पाठ (नाटक) का विश्लेषण करना

CO 8 रंगमंच की संभावनाओं के आधार पर पाठ(नाटक) का विश्लेषण करना

इकाई-१ हिन्दी नाटक--आरंभ--भारतेन्दु युग--परिस्थिति--प्रमुख प्रवृत्तियाँ--भारतेन्दु का योगदान--अन्य नाटककार--द्विवेदी युग-प्रमुख प्रवृत्तियाँ--नाटककार-प्रसाद युग--परिस्थिति--प्रसाद का योगदान--अन्य नाटककार--परवर्ती नाटककार -समस्या नाटककार लक्ष्मीनारायण मिश्र--उपेन्द्रनाथ अह्क--एकांकी--रेडियो नाटक।

इकाई-२ स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक-परिस्थिति-जगदीशचंद्र माथुर-धर्मवीर भारती -मोहन राकेश-लक्ष्मीनारायण लाल-अन्य नाटककार-प्रमुख विशेषताएँ-राजनीतिक,सामाजिक,व्यंग्य प्रधान,स्त्री-पुरुष संबंध के नाटक,मिथक नाटक, काव्यनाटक, असंगत नाटक-रूपांतरण और अनूदित नाटक।

इकाई-३ हिन्दी रंगमंच-आरंभ-संस्कृत,पारसी,लोक रंगमंच-इप्टा,पृथ्वी थिएटर-हिन्दुस्तानी थिएटर,संगीत नाटक अकादमी-राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय- रंगमंच के नए प्रयोग -नुक्कड़ नाटक -स्वरूप और विशेषताएँ -प्रमुख नाटक।

इकाई-४ १. स्कंदगुप्त- जयशंकर प्रसाद, किताबघर प्रकाशन

२. आधे अधूरे -मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन

३. लड़ाई - सर्वेश्वरदयाल सक्सेना, वाणी प्रकाशन

४. कबिरा खड़ा बाज़ार में - भीष्म साहनी, वाणी प्रकाशन

५. नेपथ्य राग - मीराकांत, भारतीय ज्ञानपीठ

संदर्भ सूची

1. बीसवीं शताब्दी का हिन्दी साहित्य -सं.डॉ.विश्वनाथ प्रसाद तिवारी - भारतीय ज्ञानपीठ
2. हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास - हज़ारी प्रसाद द्विवेदी - राजकमल
3. भारतेंन्दु हरिश्चन्द्र और हिंदी नवजागरण,रामविलास शर्मा,राजकमल
4. बीसवीं शताब्दी का हिंदीसाहित्य,विजयमोहन सिंह,राजकमल
5. हिंदी नाटक,गोविन्द चातक,राजकमल
6. हिंदी नाटकप्रगति और प्रभाव,दशरथ ओझा,राजपाल एण्ड सन्स
7. हिंदी एकांकी,सिद्धनाथ कुमार,राधाकृष्ण प्रकाशन
8. अंतिम दशकों का हिंदी साहित्य,मीरा गौतम,वाणी प्रकाशन
9. हिंदी साहित्य की संवेदना का विकास,रामस्वरूप चतुर्वेदी,लोकभारती
10. स्वातत्र्योत्तर हिंदी नाटकमूल्य संक्रमण,ज्योतिरेश्वर मिश्र,लोकभारती
11. साठोत्तर हिंदी नाटक,के वी नारायण कुरूप,लोकभारती
12. हिंदी साहित्य का इतिहास,रामचंद्र शुक्ल,लोकभारती
13. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - रामकुमार वर्मा - लोकभारती
14. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास -बच्चन सिंह – लोकभारती
15. हिन्दी साहित्य का इतिहास - विजयेन्द्र स्नातक - साहित्य अकादमी
16. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - गणपति चन्द्र गुप्त-- लोकभारती
17. हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास - हज़ारी प्रसाद द्विवेदी - राजकमल
18. समकालीन रंगमंच और नया नाटक- डॉ. जगदीश शर्मा, राजस्थानी ग्रंथाकार,
19. हिन्दी नाटक : आज, कल - डॉ. जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन,
20. बीसवीं शताब्दी का हिन्दी नाटक और रंगमंच - गिरीश रस्तोगी, भारतीय ज्ञानपीठ
21. नयी रंगचेतना और हिन्दी नाटककार - जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन
22. हिन्दी नाटक : इतिहास के सोपान - गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन
23. समकालीन हिन्दी नाटक और रंगमंच - सं. नरेन्द्र मोहन, वाणी प्रकाशन
24. समकालीन हिन्दी रंगमंच और रंगभाषा - आशीष त्रिपाठी, शिल्‌पायन, दिल्ली

25. हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास - दशरथ ओझा, राजपाल एन्ड सन्ज़,

26. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक - डॉ. रामजन्म शर्मा, लोकभारती प्रकाशन

27.हिन्दी नाटक - बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन

28.दृश्य अदृश्य - नेमिचंद्र जैन, वाणी प्रकाशन

29. तीसरा पाठ - वही

30.पहला रंग - देवेन्द्रराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन

31.रंग भूमिकाएँ - मुद्राराक्षस, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय

32.नुक्कड़ नाटक - रचना और प्रस्तुति - प्रज्ञा, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय

33. सर्वेश्वरदयालसक्सेना का रचनाकर्म - कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन

34. प्रसाद : भारतीयता के प्रतिमान - सं. सत्यपाल चुंग, विद्या विहार, आधुनिक नाटक का मसीहा मोहन राकेश - डॉ. गोविन्द चातक, इंद्रप्रस्थ प्रकाशन,

35.भीष्म साहनी : व्यक्ति और रचना - राजेश्वर सक्सेना, राधाकृष्ण प्रकाशन,

36.मोहन राकेश और उनके नाटक - डॉ. गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन

37.नाट्य विमर्श - सं. जयदेव तनेजा, राजकमल प्रकाशन

38. नाटककार जगदीशचंद्र माथुर - गोविन्द चातक, राधाकृष्ण प्रकाशन,

39.नाटक के सौ बरस - सं. बुजिता पुष्कल, हरिश्चंद्र अग्रवाल, शिल्पायन,

40.हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष - गिरीश रस्तोगी, लोकभारती, इलाहाबाद

41. दो रंगधर्मी हस्ताक्षर - चंद्रशेखर, आत्माराम एण्ड सन्स

42.प्रसाद युग के नाटकों की शिल्पविधि - शांति मलिक, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस

COURSE :**हिंदी नाटक(HINDI NATAK)**

Credit :4 Total 72 Hours

CO	CO Statement	PO/PSO	CL	KC	Class Session & Tutorial Hour	Lab/Field Hours	Assessment
CO 1	नाटक के स्वरूप को समझना	PO 3/PSO 4	U	F	8	00	
CO 2	हिंदी नाटक के इतिहास को समझना तथा प्रत्येक युग के नाटक की प्रवृत्तियों को विश्लेषित करना	PO 3& 1 /PSO 1	U AN	F M	10	00	
CO 3	नाटक के प्रकारों को विस्तार से जानना	PO 3/PSO 1	U	F	8	00	
CO 4	हिंदी के प्रमुख नाटककारों का परिचय प्राप्त करना	PO 3/PSO 1	U R	F	6	00	
CO 5	संस्कृत एवं पारसी लोक रंगमंच को तथा हिंदी नाटक पर उनके प्रभाव को विश्लेषित करना	PO 1& 3/ PSO 1& 4	U AN	C	6	00	
CO 6	हिंदी रंगमंच के विकास एवं नाटक के क्षेत्र में हुए प्रयोगों को जानना	PO 3/PSO 4	U AN	P M	10	00	
CO 7	युगीन परिस्थितियों के आधार पर पाठ (नाटक) का विश्लेषण करना	PO 1&4 PSO 1 &4	AN	P	12	00	
CO 8	रंगमंच की संभावनाओं के आधार पर पाठ(नाटक) का विश्लेषण करना	PO 3/PSO 4	AN	P	12	00	

PHNS 10606भारतीय काव्यशास्त्र और हिंदी आलोचना

(BHARATEEYA KAVYASHASTRA AUR HINDI ALOCHANA) क्रेडिट्-४

Course learning Outcomes

CO 1 भारतीय काव्यशास्त्र एवं हिंदी आलोचना की विस्त्रृत अवधारणा प्राप्त करना

CO 2 काव्य,काव्य की प्रेरणा,कारण,उद्देश्य,गुण,दोष,वर्गीकरणसंबंधी जानकारी प्राप्त करना

CO 3 छंदशास्त्र,छंद के वर्गीकरण,प्रमुख वार्णिक एवं मात्रिक छंद की अवधारणा एवं उसकी विशेषताओं से संबंधित जानकारी प्राप्त करना

CO 4 रस संप्रदाय के आलोक में काव्य की आत्मा की अवधारणा एवं रस सूत्र की व्याख्या,रस के उत्भव,अंग और रस के वर्गीकरण की जानकारी प्राप्त करना

CO 5 अलंकार संप्रदाय के आलोक में काव्य की आत्मा की अवधारणा एवं विभिन्न अलंकारों की जानकारी प्राप्त करना

CO 6 रीति एवं ध्वनि संबंधी जानकारी प्राप्त करना

CO 7 वक्रोक्ति एवं औचित्य संबंधी जानकारी प्राप्त करना

CO 8 भारतीय काव्यशास्त्र के लिए रीतिकालीन कवियों का योगदान,नाटक संबंधी भारतेन्दु के विचार और शुक्लयुगीन हिंदी आलोचना की विशेषताओं की जानकारी प्राप्त करना

CO 9 शुक्लोत्तरकालीन हिंदी आलोचना की प्रवृत्तियों की जानकारी प्राप्त करना

इकाई-1 काव्य की मूलप्रेरणाएँ,हेतुऔरप्रयोजन-काव्य गुण-काव्य दोष-काव्य के भेद- छंद शास्त्र–छंद विधान-छंद के तत्व—छेंदों के भेद—छेंदों का महत्व-प्रमुख वर्णिकया मात्रिक
छंद- प्रमुख छंद:इंद्रवज्रा, उपेंद्रवज्रा, दोहा, रोला, सोरठा- चौपाई।

इकाई-2 काव्य की आत्मा:रस संप्रदाय,भरत का रससूत्र,भामह,लोल्लट,शंकुक और भट्ट नायक द्वारा प्रस्तुत व्याख्याएँ, साधारणीकरण-रस निरूपण- रस की उत्पत्ति- रस के अवयव-रस के भेद-अलंकार संप्रदाय की परंपरा- अलंकारों का वर्गीकरण- अलंकारों के भेद -शब्दालंकार अनुप्रास, यमक, श्लेष,वक्रोक्ति- अर्थालंकार उपमा, उत्प्रेक्षा,रूपक, व्यतिरेक, दृष्टांत, प्रतिवस्तूपमा, अतिशयोक्ति, अर्थान्तरन्यास, अप्रस्तुतप्रशंसा

इकाई-3 रीतिसंप्रदाय–रीति के आधारभूत तत्व– गुण– दोष– अलंकार– रीति के प्रकार महत्व– ध्वनि संप्रदाय– ध्वनि की परिभाषा– ध्वनि के भेद– महत्व,–वक्रोक्तिसंप्रदाय–स्वरूप और भेद – औचित्यसंप्रदाय–औचित्य के प्रकार– लक्षण– अंग– महत्व

इकाई-4 रीतिकालीन कवियों का योगदान-नाटक पर भारतेन्दु के विचार-शुक्ल जी की काव्य संबंधी एवं साधारणीकरण संबंधी मान्यताएँ-शुक्लोत्तर आलोचना-आलोचना संबंधी नयी दृष्टि-रसवादी-मार्क्सवादी, मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, मिथकीय तथा शैली वैज्ञानिक आलोचना प्रणालियों का समान्य परिचय- अध्ययन की नई दृष्टियाँ–दलित विमर्श- स्त्री विमर्श– पारिस्थितिकी -

संदर्भ ग्रंथ

1.	भारतीयकाव्यशास्त्रकेनएक्षितिज	राममूर्तित्रिपाठी,राजकमलप्रकाशन
2.	भारतीयकाव्यशास्त्रकीपरम्परा	डॉ.नगेन्द्र,किताबमहल,नईदिल्ली
3.	भारतीयकाव्यशास्त्र	डॉ.अशोककेशाह,जवाहरपुस्तकालय,मथुरा
4.	काव्यशास्त्र के मानदंड	डॉ रामनिवास गुप्त, वाणी प्रकाशन
5.	भारतीय काव्यशास्त्र	निशा अग्रवाल,लोकभारती प्रकाशन
6.	आधुनिक काव्यशास्त्र	शेषेन्द्र शर्मा, लोकभारती प्रकाशन
7.	भारतीयएवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा	रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन
8.	भारतीयएवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की पहचान	हरिमोहन, वाणी प्रकाशन
9.	भारतीय काव्यशास्त्र	विश्वंभरनाथ उपाध्याय,वाणी प्रकाशन
10.	भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	डॉ गणपतिचन्द्र गुप्त,लोकभारती प्रकाशन
11.	काव्य प्रदीप	रामबहोरी शुक्ल,हिन्दी भावन,इलाहाबाद
12.	हिंदीआलोचनाकाविकास-	नन्दकिशोरनवल,राजकमल
13.	हिंदीआलोचना:बीसवींसदी	निर्मलाजैन,राधाकृष्णप्र.
14.	हिंदी आलोचना उद्‌भव और विकास	भागवत स्वरूप मिश्र
15.	कवियों के नये प्रतिमान	नामवर सिंह-राजकमल प्रकाशन

16. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना रामविलास शर्मा
17. हिंदी आलोचना के नए सरोकार कृष्णदत्त पालिवाल,वाणी प्रकाशन
18. शैलीविज्ञानऔरआलोचनाकीनयीभूमिका केन्द्रीय हिंदी संस्थान

COURSE:**भारतीय काव्य शास्त्र और हिंदी आलोचना**

(BHARATIYA KAVYA SASTRA AUR HINDI ALOCHANA)

Credit :4 Total 72 Hours

CO	CO Statement	PO/PSO	CL	KC	Class Session & Tutorial Hour	Lab/Field Hours	Assessment
CO 1	भारतीय काव्यशास्त्र एवं हिंदी आलोचना की विस्तृत अवधारणा प्राप्त करना	PO 5/PSO 1	U	C	8	00	
CO 2	काव्य,काव्य की प्रेरण,कारण,उद्देश्य,गुण,दोष, वर्गीकरणसंबंधी जानकारी प्राप्त करना	PO 1/PSO 1	U	C	8	00	
CO3	छंदशास्त्र,छंद के वर्गीकरण,प्रमुख वार्णिक एवं मात्रिक छंद की अवधारणा एवं उसकी विशेषताओं से संबंधित जानकारी प्राप्त करना	PO 1/PSO1	U	C	10	00	
CO4	रस संप्रदाय के आलोक में काव्य की आत्मा की अवधारणा एवं रस सूत्र की व्याख्या,रस के उत्भव,अंग और रस के वर्गीकरण की जानकारी प्राप्त करना	PO 1/PSO1	U	C	8	00	
CO 5	अलंकार संप्रदाय के आलोक में काव्य की आत्मा की अवधारणा एवं विभिन्न अलंकारों की जानकारी प्राप्त करना	PO 1/PSO1	U	C	10	00	
CO6	रीति एवं ध्वनि संप्रदाय के आलोक में काव्य की आत्मा की अवधारणा एवं रीति एवं ध्वनि संबंधी जानकारी प्राप्त करना	PO 1/PSO1	U	C	6	00	
CO7	वक्रोक्ति एवं औचित्य संप्रदाय के आलोक में काव्य की आत्मा की अवधारणा एवं वक्रोक्ति एवं औचित्य संबंधी जानकारी प्राप्त करना	PO 1/PSO1	U	C	6	00	
CO8	भारतीय काव्यशास्त्र के लिए रीतिकालीन कवियों का योगदान,नाटक संबंधी भारतेन्दु के विचार और शुक्लयुगीन हिंदी आलोचना की विशेषताओं की जानकारी प्राप्त करना	PO 1/PSO1	U	C	8	00	
CO9	शुक्लोत्तर कालीनहिंदी आलोचना की प्रवृत्तियों की जानकारी प्राप्त करना	PO 1/PSO1	U	C	8	00	

THIRD SEMESTER

PHNM 10607 हिंदी भाषा का इतिहास एवं भाषा विज्ञान

(HINDI BHASHA KA ITIHAS EVOM BHASHA VIGYAN) क्रेडिट-4

Course learning Outcomes

CO 1 भाषा के ऐतिहासिक विकास क्रम को समझना

CO 2 भाषाविज्ञान के अध्ययन के प्रकारों,अध्ययन की शाखाओं से अवगत होना

CO 3 हिंदी भाषा का इतिहास,संसार की भाषाओं का वर्गीकरण,मानकीकरण और राजभाषा हिंदी को परखना

CO 4 रूपिम,स्वनिम,उपस्वन,उपरूप,संरूप को समझना

CO 5 वाक्य,उपवाक्य एवं पदबंध को समझना

CO 6 शब्द और अर्थ के संबंध,अर्थ परिवर्तन और कारणों को समझना

CO 7 ध्वनि का वर्गीकरण, उसके परिवर्तन के कारण और ध्वनि परिवर्तन की दिशाओं को समझना

CO 8 लिपि और भाषा के संबंध,लिपि का इतिहास, लिपि की विशेषताएँ, लिपि की वैज्ञानिकता,दोष,सुधार और लिपि के मानकीकरण को समझना

इकाई-1 भाषा एव भाषा विज्ञान–भाषा-परिभाषा–स्वरूप–विकास–अभिलक्षण–भाषाऔरपरोल (parole)–भाषा के विभिन्न रूप–व्यक्ति बोली–उपबोली–उपभाषा–मातृभाषा–राज्यभाषा–राजभाषा–राष्ट्रभाषा–संपर्कभाषा--अंतर्राष्ट्रीय भाषा–पिजिन और क्रियोल–मिश्र भाषा–कूटभाषा–द्विभाषिकता।भाषाविज्ञान–परिभाषा–अध्ययन केप्र ाकार–सामान्य भाषा विज्ञान–ऐतिहासिक भाषाविज्ञान–तुलनात्मक भाषाविज्ञान–व्यतिरेकी भाषाविज्ञान–अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान–अध्ययन की शाखाएँ– हिंदी का भाषावैज्ञानिक अध्ययन–परंपरा

इकाई-2 हिंदी भाषा का इतिहास-भाषा परिवार-संसार की भाषाओं का वर्गीकरण–रूपात्मक और पारिवारिक वर्गीकरण–प्रमुख भाषाएँ एवं क्षेत्र–भारोपिय परिवार–केंतुम एवं सतम् वर्ग–भारतीय भाषाएँ–आर्य और अनार्य–प्राचीन,मध्य और आधुनिक काल–पाली,प्राकृत,अपभ्रंश–हिंदी की बोलियाँ और उपभाषाएँ–खडीबोली,विकास– मानकीकरण-हिंदी राजभाषा के रूप में

इकाई-3 रूपिम–परिभाषा–प्रकार–स्वनिम,उपस्वन-रूपिम संरूप–वाक्य–परिभाषा–प्रकार–पदबंध–उद्देश्य और विधेय – अर्थ– परिभाषा – शब्द और अर्थका संबंध – अर्थपरिवर्तन–अर्थपरिवर्तन के कारण–अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ–अर्थ संकोच,अर्थादेश-अर्थ विस्तार-ध्वनि–वर्गीकरण–ध्वनि परिवर्तन के

कारण–ध्वनि परिवर्तनकी दिशाएँ।

इकाई-4 लिपि–लिपि और भाषा का संबंध–लिपि का इतिहास–चित्रलिपि–भावलिपि–ध्वनिलिपि –ब्राह्मीलिपि–खरोष्ठीलिपि–देवनागरीलिपि–उद्‌भव एवं विकास–सामान्यपरिचय– विशेषताएँ– वैज्ञानिकता– दोष– सुधार-- मानकीकरण।

संदर्भग्रंथ

1. भाषाविज्ञान-भोलानाथतिवारी,किताबमहल,नईदिल्ली
2. हिंदी भाषा- भोलानाथ तिवारी, किताब महल, नईदिल्ली
3. हिंदी भाषा की संरचना- भोलानाथ तिवारी, किताब महल,इलाहाबाद
4. हिंदी भाषा की वाक्य संरचना- भोलानाथ तिवारी (संपादित), किताब महल,इलाहाबाद
5. हिंदी भाषा की रूप संरचना- भोलानाथ तिवारी (संपादित), किताब महल,इलाहाबाद
6. सामान्यभाषाविज्ञान-बाबुरामसक्सेनस-हिंदीसाहित्यसम्मेलन,प्रयाग
7. हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास- उदयनायण तिवारी
8. हिंदी शब्दानुशासन- किशोरीदास वाजपेय- नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
9. हिंदी:उद्‌भव,विकासऔररूप-डॉ.हरदेवबाहरी,किताबमहल,इलाहाबाद
10. भाषाविज्ञान:सिद्धांतऔरप्रयोग-डॉ.अंबाप्रसादसुमन,हिंदीसाहित्यसम्मेलन,प्रयाग
11. भाषाविज्ञानकीभूमिका-आचार्यदेवेन्द्रनाथशर्मा,राधाकृष्णप्रकाशन
12. मानकहिंदी-व्रजमहन-Mac Millan&Co.New Delhi
13. हिंदीकावाक्यात्मकव्याकरण-डॉ.सूरजभानसिंहसाहित्यसहकार,दिल्ली
14. भाषावैज्ञानिकसर्वेक्षण-विश्वनाथप्रसाद,बिहारराष्ट्रभाषा,परिषद,पटना
15. भाषा शास्त्र की रूपरेखा,उदयनारायण तिवारी
16. भाषाविज्ञान कोश-भोलानाथ तिवारी
17. हिंदी की शब्द संपदा,विद्यानिवास मिश्र

COURSE : **हिंदी भाषा का इतिहास एवं भाषाविज्ञान**

(HINDI SAHITYA KA ITIHAS AUR BHASHAVIGYAN) Credit :4 Total 72 Hours

CO	CO Statement	PO/PSO	CL	KC	Class Session & Tutorial Hour	Lab/Field Hours	Assessment
CO 1	भाषा के ऐतिहासिक विकास क्रम को समझना	PO 3/PSO 4	U	F	12	00	
CO 2	भाषाविज्ञान के अध्ययन के प्रकारों,अध्ययन की शाखाओं से अवगत होना	PO 3/PSO 4	U	F	12	00	
CO 3	हिंदी भाषा का इतिहास,संसार की भाषाओं का वर्गीकरण,मानकीकरण और राजभाषा हिंदी को परखना	PO 3/PSO 4	U	F	12	00	
CO 4	रूपिम,स्वनिम,उपस्वन,उपरूप,संरूप को समझना	PO 3/PSO 4	U	F	6	00	
CO 5	वाक्य,उपवाक्य एवं पदबंध को समझना	PO 3/PSO 4	U	F	6	00	
CO 6	शब्द और अर्थ के संबंध,अर्थ परिवर्तन और कारणों को समझना	PO 3/PSO 4	U	F	6	00	
CO 7	ध्वनि का वर्गीकरण, उसके परिवर्तन के कारण और ध्वनि परिवर्तन की दिशाओं को समझना	PO 3/PSO 4	U	F	6	00	
CO 8	लिपि और भाषा के संबंध,लिपि का इतिहास, लिपि की विशेषताएँ, लिपि की वैज्ञानिकता,दोष,सुधार और लिपि के मानकीकरण को समझना	PO 3/PSO 4	U	F	12	00	

PHNM 10608 हिंदी कहानी (HINDI KAHANI)

Course learning Outcomes

क्रेडिट-4

CO 1 कहानी के ऐतिहासिक विकासक्रम, उसकी प्रक्रिया और स्वरूप को समझना

CO 2 प्रेमचंद युगीन कहानियों और प्रमुख प्रवृत्तियों को समझना

CO3 प्रेमचदोत्तर कहानियों और प्रमुख प्रवृत्तियों को समझना

CO4 प्रेमचंदोत्तर सामाजिक, राजनीतिकपरिस्थितियों का विवेचन करना

CO 5 विभिन्न कहानी आंदोलनों को पहचानना

CO6 नयी कहानी की प्रमुख प्रवृत्तियों का विवेचन करना और प्रमुख कहानीकारों को पहचानना

CO7 समकालीन कहानीकारों का परिचय पाना और मूल्यांकन करना

CO 8 समकालीन कहानियों की प्रवृत्तियों का परिचय प्राप्त करना

CO 9 समकालीन संदर्भ में निर्धारित पाठ का विश्लेषण करना

इकाई-1 हिन्दी कहानी का उद्‌भव और विकास प्रेमचन्दयुग- सामाजिक एवं राजनैतिक परिस्थितियाँ-प्रेमचन्दयुगीन कहानी-प्रमुख प्रवृत्तियाँ-प्रमुख कहानीकार-प्रेमचन्दोत्तर काल-प्रमुखप्र ावृत्तियाँ-प्रमुख कहानीकार-सामाजिक,मनोविश्लेषणात्मक कहानियाँ

इकाई-2 स्वातंत्र्योत्तरकाल-- सामाजिक एवं राजनीतिक परिस्थितियाँ- कहानी-आन्दोलन-नयीकहानी--प्रमुख प्रवृत्तियाँ-नई कहानी के प्रमुख हस्ताक्षर--अकहानी-सचेतन कहानी-सहज कहानी---समांतर कहानी-सक्रिय कहानी जनवादीकहानी-

इकाई-3 समकालीन कहानी-बदलता जीवन परिवेश-समकालीन कहानी की प्रवृत्ति परक विशेषताएँ। एवं प्रवृत्तियाँ-प्रमुख कहानीकार-नव उपनिवेशवाद एवं साम्प्रदायिकता की चुनौतियाँ-कहानी का नया तेवर-दलित-पारिस्थतिक---नारीवादी कहानी

इकाई-4 पाठ्यक्रम में प्रस्तुत कहानीकार एव ंकहानियाँ

1.	प्रेमचन्द	कफन
2.	चन्द्रधरशर्मागुलेरी	उसनेकहा था
3.	जयशंकरप्रसाद	आकाशदीप
4.	जैनेन्द्र	जाह्नबी

5.	यशपाल	आदमीकाबच्चा
6.	रांगेयराघव	गदल
7.	फणीश्धरनाथरेणु	रसप्रिया
8.	कमलेश्धर	राजनरवंसिया
9.	निर्मलवर्मा	परिन्दे
10.	भीष्मसाहनी	मौकापरस्त
11.	कृष्णासोबती	सिक्काबदलगया
12.	उषा प्रियंवदा	वापसी
13.	जितेन्द्र भाटिया	शहादतनामा
14.	ज्ञानरंजन	पिता
15.	असगरवजाहत	स्विमिंगपूल
16.	नासिराशर्मा	खुदाकीवापसी
17.	गीतांजलीश्री	बेलपत्र
18.	नमितासिंह	जंगलगाथा
19.	संजीव	प्रेतमुक्ति
20.	उदयप्रकाश	तिरिछ
21.	ओमप्रकाशवात्मीकि	सलाम
22.	सुशीलाटाकभौरे	सीलिया
23.	लोकबाबू	मुजरिम
24.	चन्दनपाण्डेय	भूलना
25.	गिरिराजकिशोर	पेपरवेट

सन्दर्भग्रन्थ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास-रामचन्द्रशुक्ल-लोकभारती
2. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मकइतिहास-रामकुमारवर्मा-लोकभारती
3. हिन्दी साहित्य की संवेदना का विकास-रामस्वरूपचतुर्वेदी-लोकभारती
4. आधुनिक हिन्दी साहित्य काइतिहास-बच्चनसिंह-लोकभारती

5. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिकइतिहास- गणपति चन्द्र गुप्त- लोकभारती
6. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मकइतिहास-मोहनअवस्थी-वाणी
7. जनवादी कहानी:पृष्ठभूमि से पुनर्विचार तक-रमेशउपाध्याय-वाणी
8. साहित्यऔर सामाजिक परिवर्तन-बद्रीनारायण(सं)-वाणीप्रकाशन
9. अंतिम दो दशकों का हिंदी साहित्य-मीरा गौतम-वाणी
10. हिन्दी साहित्य का दूसराइतिहास-बच्चनसिंह-राधाकृष्ण
11. बीसवीं शताब्दी का हिन्दी साहित्य-विजय मोहन सिंह-राजकमल
12. हिन्दी साहित्य:उद्‌भव और विकास-हज़ारी प्रसाद द्विवेदी-राजकमल
13. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ-रामविलासशर्मा-राजकमल
14. बीसवीं शताब्दि का हिन्दी साहित्य-सं.डॉ.विश्वनाथप्रसाद तिवारी-भारतीय ज्ञानपीठ
15. हिन्दी कहानी काइतिहास-गोपालराय-राजकमल
16. हिन्दी साहित्य का बृहत इतिहास-सं.धीरेन्द्रवर्मा-नागरी प्रचारिणी सभा
17. हिंदी साहित्य का इतिहास-विजेन्द्र स्नातक-साहित्य अकादमी
18. हिंदी वाङ्मय: बीसवीं शती; सं. नगेन्द्र- विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
19. साहित्य विधाओं की प्रकृति : सं.देवीशंकरअवस्थी-राधाकृष्ण
19. समकालीन हिन्दी साहित्य :विविध परिदृश्य-रामस्वरूप चतुर्वेदी-राधाकृष्ण
20. कहानी नई कहानी-नामवरसिंह
21. नई कहानी की भूमिका-कमलेश्वर
22. नई कहानी :सन्दर्भ औरप्रकृति-सं.देवीशंकरअवस्थी
23. समकालीन कहानी की भूमिका-विश्वम्भरनाथ उपाध्याय
24. नई कहानी-मीरा सीकरी
25. मेरा पन्ना-कमलेश्वर
26. समकालीन कहानी-कमलेश्वर
27. जनवादी कहानी:पृष्ठभूमि से पुनर्विचार तक-रमेशउपाध्याय
28. हिन्दी कहानी:अंतरंग पहचान-रामदरश मिश्र
29. हिन्दी कहानी; संरचना और संवेदन- साधना शाह,वाणी प्रकाशन

30. समकालीन कहानी:युगबोध का संदर्भ-पुष्पपाल सिंह,नेशनल पब्लिशिंग हाऊस
31. हिंदी कहानी के सौ वर्ष-सं एन एम सण्णी-अन्ना साली-जवाहर पुस्तकालय
32. आज़ादी की कहानी-मोलाना आज़ाद
33. समकालीन कहानी-सं एन मोहनन-शिल्पायन,नई दिल्ली
34. सांप्रदायिकता के स्रोत-सं अभय कुमार दुबे-विनय प्रकाश्न, दिल्ली
35. हिंदुत्व की राजनीति-सं राजकिशेर,वाणी
36. कथा साहित्य के सौ बरस-विभूति नारायण राय,शिल्पयान

COURSE :**हिंदी कहानी(HINDI KAHANI)**

Credit :4 Total 72 Hours

CO	CO Statement	PO/PSO	CL	KC	Class Session & Tutorial Hour	Lab/Field Hours	Assessment
CO 1	कहानी के ऐतिहासिक विकासक्रम, उसकी प्रक्रिया और स्वरूप को समझना	PO 1/PSO 1&4	U	F CON	8	00	
CO 2	प्रेमचंद युगीन कहानियों और प्रमुख प्रवृत्तियों को समझना	PO 1/PSO 1&4	U	CON	8	00	
CO3	प्रेमचदोत्तर कहानियों और प्रमुख प्रवृत्तियों को समझना	PO 1/PSO 1&4	U	CON	8	00	
CO4	प्रेमचंदोत्तर सामाजिक, राजनीतिकपरिस्थितियों का विवेचन करना	PO 1& 2/PSO 1&3	U	CON	8	00	
CO 5	विभिन्न कहानी आंदोलनों को पहचानना	PO 1//PSO 1&3	U AN	F CON	10	00	
CO6	नयी कहानी की प्रमुख प्रवृत्तियों का विवेचन करना और प्रमुख कहानीकारों को पहचानना	PO1 /PSO 1,3,4	U	CON	10	00	
CO7	समकालीन कहानीकारों का परिचय पाना और मूल्यांकन करना	PO 3/PSO 4	U	F	6	00	
CO 8	समकालीन कहानियों की प्रवृत्तियों का परिचय प्राप्त करना समकालीन संदर्भ में निर्धारित पाठ का विश्लेषण करना	PO 1/PSO 3,4,	U AN, R	CON	6	00	
CO 9	कहानी के ऐतिहासिक विकासक्रम, उसकी प्रक्रिया और स्वरूप को समझना	PO 1/PSO 2	Ap	CON	8	00	

FOURTHSEMESTER

PHNS 10609 हिन्दी कविता-3(HINDI KAVITHA-3) क्रेडिट 4

CO 1	प्रयोगवाद की अवधारणा प्राप्त करना
CO 2	नई कविता की प्रवृत्तियों एवं उससे संबंधित कवियों को जानना
CO3	अकविता,विचार कविता,जनवादी कविता एवं नव मार्क्सवादी कविता की विशेषताओं को जानना
CO4	समकालीन कविता को सामाजिक,राजनैतिक,आर्थिक,धार्मिक परिसिथतियों के संदर्भ में विश्लेषित करना
CO 5	समकालीन स्त्री कविता को भाषिक संरचना एवं विषय के आधार पर विश्लेषित करना
CO6	समकालीन कविता में मुखरित दलित विमर्श के स्वर को विश्लेषित करना
CO7	निर्धारित कविताओं का पाठ-विश्लेषण प्रवृत्तियों के आधार पर करना
CO 8	समकालीन कहानियों की प्रवृत्तियों का परिचय प्राप्त करना

इकाई-1 प्रयोगवाद,एवं नयी कविता- साठकीकविता-अकविता-विचारकविता -जनवादी कविता-नवप्रगतिवादी कविता--काव्य प्रवृत्तियाँ -- प्रमुख कवि और रचनाएँ—

इकाई-2 रामकालीनकविता-समाजकाबदलतापरिदृश्य-सामाजिक, राजनीतिक,आर्थिक,धार्मिक गतिविधियाँ-नयीचुनौतियाँ-वैश्वीकरणसांप्रदायिकता-कविताकाप्रतिरोधीस्वर-स्त्री कविता, दलित कविता, पारिस्थितिकी कविता।

इकाई-3 &4 **पाठ्यक्रममेंप्रस्तुतकविऔरकविताएँ**

1) अज्ञेय- 1. नदी के द्वीप, 2. असाध्य वीणा, 3. बावरा अहेरी
2) मुक्तिबोध- 1. एक भूतपूर्वविद्रोही का आत्मकथन, 2. ब्रह्मराक्षस, 3. पता नहीं
3) भवानीप्रसादमिश्र-1. तीनचारविदूषक,2.सतपुडाकेजंगल,3.हम,4. जाहिलमेरेबाने
4) सर्वेश्वरदयालसक्सेना-1.छीननेआयेहैवे,2.सौंदर्यबोध,काठकीघंटियाँ
5) रघुवीरसहाय-1.आज़ादी,2.आजकीकविता,3.आत्महत्याकेविरुद्ध
6) धर्मवीर भारती- 1. टूटा पहिया, 2. गुलाम बनानेवाला

7) श्रीकांतवर्मा-1.जलसाघर,2.मगध

8) विजयनारायणसाही-1.हमसभीबेचकरआयेहैअपनेसपने,2.सतकीपरीक्षा,3.नजाने बारिशकबआयेगी,4.प्रार्थना:गुरुकबीरदासकेलिए

9) कुंवर नारायण- 1. दोनीली आँखें,2.अयोध्या-1992,3.एकअजीबसीमुश्किल

10)केदारनाथ सिंह- 1. बाध

11)धूमिल-1.मोचीराम,2.सुदामापांडेकाप्रजातंत्र-दो

12)चंद्रकांत देवताले- 1. पत्थर की बेंच, 2. भूमंडल तप रहा है

13)लीलाघर जगूडी- 1. विज्ञापन सुंदरी, 2. भरोसेकी कविता

14)मंगलेशडबराल-1.आधुनिकसभ्यता,2.गुजरातकेमृतककाबयान

15)भगवत रावत- 1. सुनोअशोक, 2. ऐसी कैसी नींद, 3. बच्चोंके लिए एक कथा

16) वेणुगोपाल-1.खूनऔरस्याहीकाफरक,2.वेहाथहोतेहैं,3.नजानेकितनीबार

17) अरुण कमल- 1. खबर, 2. धार, 3. जिसनेखून होतेदेखा

18) राजेशजोशी-1.घोडे,2.दोपंक्तियोंकेबीच,3.नेलकटर

19) विनोदकुमारशुक्ल-1.दीवारमेंएकखिड़कीरहतीथी,2.जंगलकेउजाडेमें,3.बचाकर रख लेनी चाहिए हवा

20) उदयप्रकाश-1.एकभाषाहुआकरतीहैं,2.मालिकआपनाहकनाराज़है,3.औरते

21) ज्ञानेंद्रपति- 1. नदी और साबुन, 2. चीटिया, 3. धुएंके पेड की तरह उगी है।

22) कुमारअंबुज-1.प्रधानमंत्रीऔरशिल्पी,2.अतिक्रमण,2.क्रूरता

23) एकांत श्रीवास्तव- 1. डूब, 2. बुखार, 3. मेरा घर

24) वीरेनडंगवाल-1.हमारीनींद,2.मार्चकीएकआइ.आइ.टीकानपुर,3.दुष्चक्रमेंस्रष्टा

25) आलोकधन्धा-1.गोलीदागोपोस्टर,2.भागीहुईलड़कियाँ

26) बद्रीनारायण-1.तंतवारे,2.एककविकीबिक्री,3.मधुरादासकीअर्जी

27) पंकजराग-1.यहभूमंडलकीरातहै,2.खुशबू,3.अभीवक्तहै

28) अनामिका-1.स्त्रियाँ,2.बेजगह,3.अंग्रेज़ीयोभेजतीहैबमवर्षकविमान

29) कात्यायनी-1.इसपौरुषपूर्णसमयमें,2.औरतऔरघर,3.एकभूतपूर्वनगरवधुकीदुर्गपति सेप्रार्थना

30) नीलेशरघुवंशी-1.सत्रहसालकीलड़की,2.घरनिकासी,3.हंडा

31) अनितावर्मा-1.भय,2.तर्पण

32) निर्मलापुतुल-1.अपनेघरकीतलाशमें,2.मेरासबकुछअप्रियहैउनकीनज़रमें,
3.उतनादूरमतव्याहना,बाबा

33) ओमप्रकाशवाल्मीकि-1.जोमेराकभीनहींहुआ,2.अपनेहिस्सेकारोटी,3.अबऔर नहीं

34) लीलाधरमंडलोई-1.इसतरहजानादाहिनीतरफ,2.पराजयोंकेबीच,3.कस्तूरी

35) देवीप्रसादमिश्र-1.अन्तःसंबन्ध,2.प्रार्थनाकेशिल्पमेंनहीं,3.राजानेआदेशदिया,4.आत्महतकज्ञान

36) गोरखपाण्डेय-1.बूढेघंटाघरकेपास,2.मेडिया,3.कुर्सिनामा

37) मनमोहन-जिल्लतकीरोटी,शर्मनाकसमय,इच्छा

38) उमाशंकरचौधरी-1.किसानकीआत्महत्याभीमृत्युहै,2.शाहंशाहकीनींद

<u>सन्दर्भग्रन्थ</u>

1. हिन्दीसाहित्यकाइतिहास-रामचन्द्रशुक्ल-लोकभारती
2. हिन्दीसाहित्यकाआलोचनात्मकइतिहास-रामकुमारवर्मा-लोकभारती
3. हिन्दीसाहित्यकीसंवेदनाकाविकास-रामस्वरूपचतुर्वेदी-लोकभारती
4. आधुनिकहिन्दीसाहित्यकाइतिहास-बच्चनसिंह-लोकभारती
5. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिकइतिहास- गणपति चन्द्र गुप्त- लोकभारती
6. हिन्दीसाहित्यकाविवेचनात्मकइतिहास-मोहनअवस्थी-वाणी
7. जनवादीकहानी:पृष्ठभूमिसेपुनर्विचारतक-रमेशउपाध्याय-वाणी
8. साहित्यऔरसामाजिकपरिवर्तन-बद्रीनारायण(सं)-वाणीप्रकाशन
9. अंतिम दो दशकों का हिंदी साहित्य-मीरा गौतम-वाणी
10. हिन्दीसाहित्यकादूसराइतिहास-बच्चनसिंह-राधाकृष्ण
11. बीसवींशताब्दीकाहिन्दीसाहित्य-विजयमोहनसिंह-राजकमल
12. हिन्दीसाहित्य:उद्भवऔरविकास-हज़ारीप्रसादद्विवेदी-राजकमल
13. भारतेन्दुहरिश्चन्द्रऔरहिन्दीनवजागरणकीसमस्याएँ-रामविलासशर्मा-राजकमल
14. बीसवींशताब्दीकाहिन्दीसाहित्य-सं.डॉ.विश्वनाथप्रसादतिवारी-भारतीयज्ञानपीठ
15. हिन्दीकहानीकाइतिहास-गोपालराय-राजकमल
16. हिन्दीसाहित्यकाबृहतइतिहास-सं.धीरेन्द्रवर्मा-नागरीप्रचारिणीसभा

17. हन्दी वाङ्मय: बीसवीं शती; सं. नगेन्द्र- विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
18. साहित्यविधाओंकीप्रकृति:सं.देवीशंकरअवस्थी-राधाकृष्ण
19. समकालीनहिन्दीसाहित्य:विविधपरिदृश्य-रामस्वरूपचतुर्वेदी-राधाकृष्ण
20. अज्ञेयकीकविता:परंपराऔरप्रयोग-रमेशऋषिकल्प,वाणीप्रकाशन,नईदिल्ली
21. आधुनिकहिन्दीकवितामेंविचार-बलदेववंशी,वाणीप्रकाशन,नईदिल्ली
22. आधुनिकताऔरउपनिवेश-कृष्णमोहन,वाणीप्रकाशन,नईदिल्ली
23. अज्ञेयकविऔरकाव्य-डॉ.राजेंद्रप्रसाद,वाणीप्रकाशन,नईदिल्ली
24. भवानीप्रसादमिश्रकाकाव्य-कृष्णदत्वपालीवाल,वाणीप्रकाशन,नईदिल्ली
25. दर्शनसाहित्यऔरसमाज-शिवकुमारमिश्र,वाणीप्रकाशन,नईदिल्ली
26. कविकेदारनाथसिंह-भारतयायावर,वाणीप्रकाशन,नईदिल्ली
27. कविताकादूसरापाठऔरप्रसंग-भगवतरावत,वाणीप्रकाशन,नईदिल्ली
28. कविताकेसम्मुख-गोविंदप्रसाद,वाणीप्रकाशन,नईदिल्ली
29. कविताकीमुक्ति-नंदकिशोरनवल,वाणीप्रकाशन,नईदिल्ली
30. कवितास्वभाव-चंद्रकांतदेवतालेकीकविता,वाणीप्रकाशन,नईदिल्ली
31. कवितातीरे-कमलाप्रसाद,वाणीप्रकाशन,नईदिल्ली
32. मुक्तिबोधकेप्रतीकऔरबिंब-चंचलचौहान,वाणीप्रकाशन,नईदिल्ली
33. नयी कविता- डॉ. देवराज, वाणी प्रकाशन, नईदिल्ली
34. नयीकवितानिराला:अज्ञेयऔरमुक्तकिबोध-विद्यासिन्हा,वाणीप्रकाशन,नईदिल्ली
35. नयी कविताकीचिंतनभूमि- उषाचौहान,वाणीप्रकाशन,नईदिल्ली
36. समकालीनकविताऔरसौंदर्यबोध-रोहिताश्व,वाणीप्रकाशन,नईदिल्ली
37. समकालीनकविताकेबारेमें-नरेंद्रमोहन,वाणीप्रकाशन,नईदिल्ली
38. सर्वेश्वरकारचनाकर्म-कृष्णदत्तपालीवाल,वाणीप्रकाशन,नईदिल्ली
39. साठोत्तरीहिंदीकवितामेंजनवादीचेतना-नरेंद्रसिंह,वाणीप्रकाशन,नईदिल्ली

40. श्रीकांतवर्माकीकविता-सुमनवर्मा,वाणीप्रकाशन,नईदिल्ली
41. धूमकेतुधूमिलऔरसाठोत्तरीकविता-मीनाक्षीजोशी,राधाकृष्णप्रकाशन,नईदिल्ली
42. समकालीनहिंदीकविता-डॉ.ए.अरविंदाक्षन,राधाकृष्णप्रकाशन,नईदिल्ली
43. समकालीनकविताऔरकुलीनतावाद-अजयतिवारी,राधाकृष्णप्रकाशन,नईदिल्ली
44. मुक्तिबोध;कवितावजीवनविवेक-चंद्रकांतदेवताले,राधाकृष्णप्रकाशन,नईदिल्ली
45. मुक्तिबोधकीकविताई-अशोकचक्रधर,राधाकृष्णप्रकाशन,नईदिल्ली
46. आजकीकविता-विनयविश्वास,राजकमलप्रकाशनप्राइवटलिमिटड,नईदिल्ली
47. कविताकाउत्तरजीवन-परमानंदश्रीवास्तव,राजकमलप्रकाशनप्राइवटलिमिटड,नईदिल्ली
48. समकालीनकाव्ययात्रा-नंदकिशोरनवल,राजकमलप्रकाशनप्राइवटलिमिटड,नईदिल्ली
49. आधुनिकताकेआईनेमेंदलित-संप.अभयकुमारदुबे,वाणीप्रकाशन,नईदिल्ली
50. संस्कृतिकीउत्तरकथा-संपा.शंभुनाथ,वाणीप्रकाशन,नईदिल्ली
51. दुस्समयमेंसाहित्य-संपा.शंभूनाथ,वाणीप्रकाशन,नईदिल्ली
52. एककविकीनोटबुक-राजेशजोशी,राजकमलप्रकाशन,नईदिल्ली
53. साहित्यकानयासौंदर्यशास्त्र-संपा.देवेंद्रचौबे,किताबघरप्रकाशन,नईदिल्ली
54. प्रतिबद्धताकेबावजूद-राजेंद्रकुमार,स्वराजप्रकाशन,दिल्ली
55. समयकेसरोकार-सोलजीतोमस,शिल्पायन,नईदिल्ली
56. कविताकावर्तमान-संप.डॉ.पी.रवि,वाणीप्रकाशन,नईदिल्ली
57. उत्तरऔपनिवेशिकविमर्शऔरहिंदीकविता-संप.पी.रवि,आधारप्रकाशन,पंचकूला,
58. साहित्य मंडल पत्रिका, जनवरी-मार्च2011
59. कविकथाकारविनोदकुमारशुक्लकासाहित्य-डॉ.आस्थातिवारी,शताक्षीप्रकाशन,रायपुर
60. धर्मप्रासंगिकताकेसवाल-सं.पंकजबिष्ट,समयांतर,दिल्ली
61. विकल्पहीननहींहैदुनिया-किशनपटनायक,राजकमलप्रकाशन,नईदिल्ली
62. समकालीनभारतीयसाहित्य,जुलाई-अगस्त2011

COURSE– **हिन्दी कविता-३(HINDI KAVITHA-3)क्रेडिट-४**

Credit :4 Total 72 Hours

CO	CO Statement	PO/PSO	CL	KC	Class Session & Tutorial Hour	Lab/Field Hours	Assessment
CO 1	प्रयोगवाद की अवधारणा प्राप्त करना	PO3/PSO 1	U	F C	08	00	
CO 2	नई कविता की प्रवृत्तियों एवं उससे संबंधित कवियों को जानना	PO 3/ PSO 1	U	C	08	00	
CO 3	अकविता,विचार कविता,जनवादी कविता एवं नव मार्क्सवादी कविता की विशेषताओं को जानना	PO 3 /PSO 1	U	C	12	00	
CO 4	समकालीन कविता को सामाजिक,राजनैतिक,आर्थिक,धार्मिक परिसिथतियों के संदर्भ में विश्लेषित करना	PO 1/PSO3	U	U	12	00	
CO 5	समकालीन स्त्री कविता को भाषिक संरचना एवं विषय के आधार पर विश्लेषित करना	PO 1/PSO 3	U	C	08	00	
CO 6	समकालीन कविता में मुखरित दलित विमर्श के स्वर को विश्लेषित करना	PO 1/PSO 3	AN	C	08	00	
CO 7	निर्धारित कविताओं का पाठ-विश्लेषण प्रवृत्तियों के आधार पर करना	PO 1/PSO 3	AN	C	08	00	
CO8	समकालीन कविताओं की प्रवृत्तियों का परिचय प्राप्त करना	PO 1/PSO 3	AN	C	08	00	

PHNM 10610 पाश्चात्य काव्यशास्त्र (PASHCHATYA KAVYASHASTRA)

क्रेडिट -4

Course Learning Outcomes

CO 1 पाश्चात्य काव्यशास्त्र के आरंभ एवं विकास का सामान्य परिचय प्राप्त करना

CO 2 पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांतों का परिचय प्राप्त करना

CO 3 पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विभिन्न वादों का परिचय प्राप्त करना

CO 4 पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों की तुलना करते हुए विश्लेषित करना

CO 5 उत्तराधुनितकता की संरचना को समझना

CO 6 उत्तराधुनिक साहित्य विमर्श के अंतर्गत संरचनावादी एवं उत्तरसंरचनावादी सिद्धांतों को विश्लेषित करना

CO 7 हिंदी आलोचना पर पडे पाश्चात्य प्रभाव का विश्लेषण करना

इकाई-1 पाश्चात्यकाव्यशास्त्रकाइतिहास-शास्त्रवाद-प्लेटो-अरस्तु:अनुकरणसिद्धांत,विरेचन सिद्धांत-होरेस और औचित्य -लोंजाइनसकाउदात्ततत्त्व-नवशास्त्रवाद-डाइडन

इकाई-2 स्वच्छन्दतावाद-वर्डस्वर्थ और कॉलरिज का तुलनात्मक अध्ययन- स्वच्छन्दतावादका अपचय- मैथ्यू आरनॉल्ड- नयीसमीक्षा आई.ए.रिचार्डस-टी.एस.इलियट-साहित्य विमर्श के नमूने-यथार्थवाद-अतियथार्थवाद-प्रकृतिवाद-प्रतीकवाद-बिम्बवाद-अस्तित्ववाद आदि

इकाई-3 उत्तराधुनिक विमर्श-संरचनावाद—रूपवाद- विखंडनवाद-शैली वैज्ञानिक अध्ययन-सेमियोटिक (Semiotic) -मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन—उत्तर-संरचनावाद-उत्तराधुनिक साहित्य विमर्श -स्त्रीवाद- पारिस्थितिक सौन्दर्यशास्त्र- पाठीय आलोचना- पाठकीय आलोचना- नवइतिहासवाद-नवमार्क्सवाद- मिथकीय एवं आदिबिंबीय संदर्भ- सांस्कृतिक अध्ययन उत्तराधुनिक विमर्श-प्रवृत्तियाँ- हाइपर मोडेनिटी-रिलेशनल, एस्थिटिक्स, डिजी मोडेनिज़म-ओटो मोडेनिज़म-पेरफोमाटिज़म

इकाई-4 आधुनिक हिंदी आलोचना पर पाश्चात्य काव्यशास्त्र का प्रभाव

संदर्भ ग्रंथ

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र-डॉ.अशोक के शाह,जवाहर पुस्तकालय,मथुरा
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र- डॉ. विजयपाल सिंह, जयभारती प्रकाशन
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र नयी प्रवृत्तियाँ-राजनाथ,राजकमल
4. पाश्चात्य साहित्य चिंतन-निर्मलाजैन,राधाकृष्णप्र.
5. पाश्चात्य समीक्षा दर्शन- हिंदी प्रचार संस्थान, वाराणसी
6. नई समीक्षा- अमृतराय, हि.प.हा. बनारस
7. हिंदी आलोचना:बीसवीं सदी-निर्मला जैन,राधाकृष्णप्र.
8. आधुनिक हिंदी आलोचना पर पाश्चात्य प्रभाव लोकभारती,इलाहाबाद
9. संरचनावाद,उत्तरसंरचनावाद एवं प्राप्या काव्यशास्त्र-गोपीचंदनारंग,केन्द्रीयसाहित्यअकादमी
10. शैलीविज्ञान और आलोचना की नयी भूमिका-केन्द्रीय हिंदी संस्थान,आगरा
11. कवियों के नये प्रतिमान-नामवर सिंह-राजकमल प्रकाशन
12. हिंदी आलोचना के नए सरोकार,कृष्णदत्त पालिवाल,वाणी प्रकाशन
13. शैली विज्ञान और आलोचना की नयी भूमिका,केन्द्रीय हिंदी संस्थान

COURSE– पाश्चात्य काव्यशास्त्र **PASCHATYA KAVYASASTRA)** **क्रेडिट-4**

Credit :4 Total 72 Hours

CO	CO Statement	PO/PSO	CL	KC	Class Session & Tutorial Hour	Lab/Field Hours	Assessment
CO 1	पाश्चात्य काव्यशास्त्र के आरंभ एवं विकास का सामान्य परिचय प्राप्त करना	PO3/PSO 1	U	C	08	00	
CO 2	पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांतों का परिचय प्राप्त करना	PO 1& 3/ PSO 4	U AN	C	12	00	
CO 3	पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विभिन्न वादों का परिचय प्राप्त करना	PO 1& 3 /PSO 14	U AN	C	12	00	
CO 4	सिद्धांतों की तुलना करते हुए विश्लेषित करना	PO 1/PSO 4	U	F C	08	00	
CO 5	उत्तराधुनितकता की संरचना को समझना	PO 1/PSO 4	U	C	08	00	
CO 6	उत्तराधुनिक साहित्य विमर्श के अंतर्गत संरचनावादी एवं उत्तरसंरचनावादी सिद्धांतों को विश्लेषित करना	PO 1/PSO 4	AN	C	12	00	
CO 7	हिंदी आलोचना पर पडे पाश्चात्य प्रभाव का विश्लेषण करना	PO 1/PSO 3	AN	C	12	00	

PHNS10611हिंदी उपन्यास (HINDI UPANYAS) क्रेडिट-4

Course Learning Outcomes

CO 1 हिंदी उपन्यास के स्वरूप और प्रकार को जानना

CO 2 हिंदी उपन्यास साहित्य के इतिहास को जानना

CO 3 हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियों को सामाजिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में विश्लेषित करना

CO 4 हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियों को राजनीतिक धरातल पर विश्लेषित करना

CO 5 दलित विमर्श, स्त्री विमर्शएवं पारिस्थितिक विमर्श के संदर्भ में हिंदी उपन्यास का विश्लेषण करना

CO 6 हिंदी उपन्यास की भाषिक संरचना एवं शैलीपरक विशेषताओं को परखना

CO 7 उपन्यास(Text)का विश्लेषण करना

इकाई-1 हिंदी उपन्यासः आरंभ-प्रेमचन्दयुग-प्रेमचंदोत्तर काल-प्रगतिशील उपन्यास-
मनोवैज्ञानिक उपन्यास-सामाजिक पक्ष-आँचलिकउ पन्यास

इकाई-2 स्वतंत्रता-देश-विभाजन-स्वातंत्र्योत्तर परिस्थितियाँ-मध्यवर्गीय चेतना-सांप्रदायिकता की चुनौती-नव उपनिवेशन-दलित,स्त्री, पारिस्थितिकी-समकालीन उपन्यास की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई-3 प्रेमचंद,अल्का सरावगी और अनामिका के उपन्यासों का समान्य परिचय ।

इकाई-4 कृतिपाठ

1. गोदान (प्रेमचन्द) लोकभारती प्रकाशन
2. कलिकथा वाया वायपास (अलका सरावगी)
3. दस दवारे का पींजरा(अनामिका)राजकमलप्रकाशन
4. छप्पर-जयप्रकाश कर्दम(द्रुतपाठ)

संदर्भग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास-रामचन्द्रशुक्ल-लोकभारती
2. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-रामकुमारवर्मा-लोकभारती
3. हिन्दी साहित्य की संवेदना का विकास-रामस्वरूप चतुर्वेदी-लोकभारती
4. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास-बच्चन सिंह-लोकभारती
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास-विजेन्द्र स्नातक, साहित्य अकादमी प्रकाशन
6. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास- गणपति चन्द्र गुप्त- लोकभारती

7. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास-मोहनअवस्थी-वाणी
8. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास-बच्चनसिंह-राधाकृष्ण
9. बीसवीं शताब्दी का हिन्दी साहित्य–विश्वनाथ प्रसाद तिवारी-भारतीय श्रानपीठ
10. हिन्दी साहित्य:उद्भव और विकास-हज़ारी प्रसाद द्विवेदी-राजकमल
11. बीसवीं शताब्दी का हिन्दी साहित्य-विजय मोहन सिंह-राजकमल
12. हिन्दी साहित्य का बृहत इतिहास-सं.धीरेन्द्रवर्मा-नागरीप्रचारिणीसभा
13. समकालीन हिन्दी साहित्य:विविध परिदृश्य-रामस्वरूपचतुर्वेदी-राधाकृष्ण
14. अंतिम दो दशकों का हिंदी साहित्य-मीरा गौतम-वाणी
15. हिन्दी उपन्यास-डॉ.त्रिभुवनसिंह
16. हिन्दी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ- डॉ. शशि भूषण सिंहल
17. हिन्दी उपन्यास का इतिहास-गोपालराय
18. प्रेमचन्द और उनका युग-डॉ.रामविलासशर्मा
19. हिन्दीउपन्यास:पहचानऔरपरख-डॉ.इन्द्रनाथमदान
20. प्रेमचन्द के आयाम- सं. डॉ. ए. अरविन्दाक्षन
21. उपन्यास का पुनरवतरण-डॉ.धनंजयवर्मा
22. उपन्यास का पुनर्जन्म- डॉ. परमानन्द श्रीवास्तव
23. इतिवृत्त की संवेतना और स्वरूप-डॉ.रोहिणीअग्रवाल
24. प्रेमचन्द:विगत महत्ता और वर्तमान अर्थवत्ता-सं.मुरलीमनोहर प्रसादसिंह,रेखा अवस्थी
25. उपन्यास की संरचना-गोपालराय
26. अठारहउपन्यास-राजेन्द्र यादव
27. उपन्यास समय और संवेदना-विजय बहादुर सिंह
28. स्त्रीत्व का मानचित्र-अनामिका
29. समकालीन उपन्यास समय और संवेदना-सं.बी.के.अब्दुलजलील
30. स्त्री संघर्ष का इतिहास-राधाकुमार
31. उत्तर शती का उपन्यस-सं एन.मोहनन,जवाहर पुस्तकालय
32. हिंदी उपन्यास:समकालीन विमर्श-सत्यदेव त्रिपाठी,अमन प्रकाशन,कानपूर
33. प्रेमचंद:साहित्यि विवेचन-नंददुलारे वाजपेयी,राजकमल प्रकाशन

COURSE – हिंदी उपन्यास**(HINDI UPANYAS)** **क्रेडिट-4**

Credit :4 Total 72 Hours

Faculty Member/s :

CO	**CO Statement**	**PO/PSO**	**CL**	**KC**	**Class Session & Tutorial Hour**	**Lab/Field Hours**	**Assessment**
CO 1	हिंदी उपन्यास के स्वरूप और प्रकार को जानना	PO3/PSO 1	U	C F	08	00	
CO 2	हिंदी उपन्यास साहित्य के इतिहास को जानना	PO 3/PSO 1	U R	F	8	00	
CO 3	हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियों को सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में विश्लेषित करना	PO 1&4 /PSO 1	AP AN	M	10	00	
CO 4	हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियों को राजनैतिक धरातल पर विश्लेषित करना	PO 1/PSO 4	AP AN	M	10	00	
CO 5	दलित विमर्श,स्त्री विमर्श एवं पारिस्थितिक विमर्श के संदर्भ में हिंदी उपन्यास का विश्लेषण करना	PO 1/PSO 3	AP AN	P M	10	00	
CO 6	हिंदी उपन्यास की भाषिक संरचना एवं शैलीपरक विशेषताओं को परखना	PO2/PSO 4	AN	P	8	00	
CO 7	उपन्यास(Text) का विश्लेषण करना	PO 1& 4 /PSO 3&4	AN AP	P M	18	00	

PHNS10612सेमिनार कार्स (SEMINAR COURSE) **क्रेडिट-4**

Course Learning Outcomes

CO 1 शोध प्रविधि की अवधारणा करना

CO 2 हिंदी भाषा,साहित्य,इतिहास,संस्कृति से संबंधित किसी एक विषय का चयन करना

CO 3 चयनित विषय के संदर्भ में पूर्वार्जित सामग्री एकत्रित करना

CO 4 एकत्रित सामग्री का विश्लेषण-संश्लेषण करना

CO 5 संश्लेषित विचार को शोध प्रविधि के आधार पर आलेख के रूप में तैयार करना और प्रस्तुत करना

CO 6 शोध प्रविधि के अनुसार कम से कम चालीस पृष्ठों का एक लघु शोध प्रबंध तैयार करके प्रस्तुत करने की क्षमता प्राप्त करना

इकाई-1 शोध प्रविधि की अवधारणा-हिंदी भाषा,साहित्य,इतिहास,संस्कृति से संबंधित किसी एक विषय का चयन

इकाई-2 चयनित विषय से संबंधित पूर्व सामग्री का संचयन

इकाई-3 चयनित सामग्री का विश्लेषण, संश्लेषण और प्रारूप की तैयारी

इकाई-4 लधुशोघ प्रबंध की तैयारी एवं प्रस्तुति

इसमें दो आलेख प्रस्तुतियाँ होनी चाहिए । अंत में 40 पृष्ठों का एक एकविषयक प्रबंध (Monograph) प्रस्तुत करना है । एकविषयक प्रबंध की तैयारी में शोध प्रविधि का पालन करना है ।

COURSE – **सेमिनार कार्स (SEMINAR COURSE)** **क्रेडिट-4**

Credit :4 Total 72 Hours

Faculty Member/s :

CO	CO Statement	PO/PSO	CL	KC	Class Session & Tutorial Hour	Lab/Field Hours	Assessment
CO 1	शोध प्रविधि की अवधारणा करना	PO1/ PSO 1,2,3,4	U	F C	10	00	
CO 2	हिंदी भाषा,साहित्य,इतिहास,संस्कृति से संबंधित किसी एक विषय का चयन करना	PO1/ PSO 1,2,3,4	U	F C	10	00	
CO 3	चयनित विषय के संदर्भ में पूर्वार्जित सामग्री एकत्रित करना	PO1/ PSO 1,2,3,4	U	F C	10	00	
CO 4	एकत्रित सामग्री का विश्लेषण-संश्लेषण करना	PO1/ PSO 1,2,3,4	U	F C	10	00	
CO 5	संश्लेषित विचार को शोध प्रविधि के आधार पर आलेख के रूप में तैयार करना और प्रस्तुत करना	PO1/ PSO 1,2,3,4	U	F C	16	00	
CO 6	शोध प्रविधि के अनुसार कम से कम चालीस पृष्ठों का एक लघु शोध प्रबंध तैयार करके प्रस्तुत करने की क्षमता प्राप्त करना	PO1/ PSO 1,2,3,4	U	F C	16	00	

SEMESTER WISE ELECTIVE COURSES

FIRST SEMESTER

PHNM 10613अनुवाद:सिद्धांत एवं प्रयोग(ANUVAD: SIDHANTH EVOM PRAYOG)

क्रेडिट-4

Course Learning Outcomes

CO 1 अनुवाद के ऐतिहासिक विकास,उसकी प्रक्रिया एवं उसके स्वरूप को समझना

CO 2 अनुवाद की आवश्यकता एवं उसके महत्व को समझना

CO 3 अनुवाद के संदर्भ में दो भाषाओं के बीच के भाषापरक एवं शैलीपरक संबंधों का विश्लेषण करना

CO 4 अनुवादक के सामने आनेवाली समस्याओं का विश्लेषण करना

CO 5 भाषिक दक्षता का मूल्यांकन करना

CO 6 अनुवादक की सीमाओं को समझना

CO 7 भाषाई एवं सांस्कृतिक एकता को स्थापित करना

CO 8 पारिभाषिक शब्दावली का ज्ञान बढाना

इकाई-1 अनुवाद: अर्थ,स्वरूप,विकास,परिभाषा-अनुवाद की प्रक्रिया-अच्छे अनुवादक के गुण-अनुवाद की शैलियाँ-अनुवाद के प्रकार-अनुवाद कला या विज्ञान या शिल्प-अनुवाद की आवश्यकता एवं महत्व -अनुवाद एवं भाषा विज्ञान ।

इकाई-2 सृजनात्मक साहित्य के अनुवाद एवं उसकी समस्यायें -काव्यानुवाद,कथानुवाद-नाटकानुवाद-मुहावरों या लोकोक्तियों का अनुवाद-अलंकारों का अनुवाद-शीर्षकों का अनुवाद-छंद,लय,तुक,प्रतीक आदि का अनुवाद ।

इकाई-3 तथ्यात्मक साहित्य के अनुवाद एवं उसकी समस्यायें -वैज्ञानिक साहित्य का अनुवाद,तकनीकी साहित्य का अनुवाद-कार्यालयी साहित्य का अनुवाद-पारिभाषिक शब्दावली का अनुवाद ।

इकाई-4 हिंदी से अंग्रेजी में और अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद का अभ्यास

संदर्भग्रन्थ

1. अनुवादप्रक्रियाएवंपरिदृश्य-रीतारानीपालीवाल,वाणीप्रकाशन
2. अनुवादसिद्धांतकीरूपरेखा-डॉ.सुरेशकुमार,वाणीप्रकाशन
3. भाषान्तरणकला:एकपरिचय-डॉ.मधुधवन,वाणीप्रकाशन

4. अनुवादविज्ञान-डॉ भोलानाथ तिवारी
5. अनुवादकला-डॉ एन ई विश्वनाथ अय्यार
6. अनुवादसिद्धांतऔर प्रयोग-डॉ गोपिनाथन
7. अनुवाद कलासिद्धांतऔर प्रयोग-डॉ कैलाशचन्द्र भाटिया
8. अनुवादसिद्धांतऔर समस्यायें-डॉ रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव और कृष्णकुमार गोस्वामी
9. अनुवादभाषाएँऔर समस्यायें-डॉ एन ई विश्वनाथ अय्यार
10. अनुवादबोध-डॉ गार्गी गुप्त
11. अनुवाद-त्रैमासिक पत्रिका
12. अनुवादअभ्यास माला(दस पुस्तकों का सेट)-दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा

COURSE :**अनुवाद :सिद्धांत एवं प्रयोग(ANUVAD :SIDHANTH EVOM PRAYOG)**

Credit :4 Total 72 Hours

Faculty Member/s :

CO	CO Statement	PO/PSO	CL	KC	Class Session & Tutorial Hour	Lab/Field Hours	Assessment
CO 1	अनुवाद के ऐतिहासिक विकास,उसकी प्रक्रिया एवं उसके स्वरूप को समझना	PO 1/PSO 1& 4	U	Con	10	00	Assignment on Historical development of translation and its nature and process
CO 2	अनुवाद की आवश्यकता एवं उसके महत्व को समझना	PO 1/PSO 1& 4	U	Con	10	00	Assignment on importance and necessity of translation in different fields
CO 3	अनुवाद के संदर्भ में दो भाषाओं के बीच के भाषापरक एवं शैलीपरक संबंधों का विश्लेषण करना	PO 1, 2 & 3/ PSO 2,3 4	An	Con	10	00	Assignment on Linguisticgrammatical and stylistic aspects oftranslation
CO 4	अनुवादक के सामने आनेवाली समस्याओं का विश्लेषण करना	PO 1, 2 & 3/PSO 2,3, 4	An	Con	09	02	Assignment on problem analysis based on field work
CO 5	भाषिक दक्षता का मूल्यांकन करना	PO 1, 2,3 & 4/ PSO 2,4	EV	Pro	09	02	Assignment on practical translation
CO 6	अनुवादक की सीमाओं को समझना	PO 1, 3 & 4/ PSO 2, 4	Un	Con	08	02	Assignment on practical translation
CO 7	भाषाई एवं सांस्कृतिक एकता को स्थापित करना	PO 3 & 4/PSO 4	Cr	Pro	08	02	Assignment on practical translation
CO 8	पारिभाषिक शब्दावली का ज्ञान बढाना	PO 2, 3 & 4/ PSO 4	U	Pro	08	02	Assignment on practical translation of technical terminology

PHNM 10614पारिस्थितिक पाठ(PARISTITIK PATT) क्रेडिट-4

Course Learning Outcomes

CO 1 पर्यावरण,प्रदूषण,मानव और प्रकृति तथा पारिस्थितिकी को समझना

CO 2 पारिस्थितिक समस्याओं को विश्लेषित करना

CO 3 पारिस्थितिक संवेदना की संप्रेषणीयता को साहित्य में विश्लेषित करना

CO 4 पारिस्थितिक आंदोलन की जानकारी प्राप्त करना

CO 5 निर्धारित ग्रंथों (text) के आधार पर पारिस्थितिक समस्याओं से अवगत होना

CO 6 निर्धारित कहानियों (text)को पारिस्थितिकी के सिद्धांतों के आधार पर विश्लेषित करना

CO 7 निर्धारित रचनाओं(text) के आधार पर पारिस्थितिक संवेदना को समझना

CO 8 निर्धारित उपन्यास (text)के आधार पर पारिस्थितिक समस्याओं को विश्लेषित करना

इकाईएक पर्यावरण–प्रदूषण–पारिस्थितिकी–पारिस्थितिक समस्यायें–मानव एवं प्रकृति–पारिस्थितिक दर्शन

इकाईदो साहित्य एवं पारिस्थितिकी–भारतीय संस्कृति एवं पारिस्थिति की–पारिस्थितिक आन्दोलन एवं कार्यकर्ता–विकास एवं उसका प्रभाव

इकाई तीन समकालीन हिन्दी साहित्य में पारिस्थितिक समस्याएँ एवं संवेदनाएँ।

इकाई चार कृतिपाठ

धरती की पुकार–सुन्दरलाल बहुगुणा(विमर्श)

धार– संजीव (उपन्यास)

कहाँनियाँ

आरोहण	संजीव
शहरमरगया	लीनामहेन्दले
इब्नेमरियम	नासिराशर्मा
जंगलगाथा	नमितासिंह
नालेकातट	हरिचरणप्रकाश

कविता

1.	नयेइलाकेमें	अरुणकमल
2.	कौन	दिनेशकुमारशुक्ल
3.	नदीऔरसाबुन	ज्ञानेन्द्रपति
4.	नदी सुनती है	नीलोत्पल
5.	खेती नहीं करनेवाला किसान	निलयउपाध्याय
6.	सिर्फपेड़नहींकटते	राधेश्यामतिवारी
7.	किसान	उमाशंकरचौधरी
8.	देखा चडियादेख	राजेश जोशी
9.	हस्ताक्षर,मेधापाटकर	एकांत श्रीवास्तव

सन्दर्भ ग्रंथ

1. Environmentand Social Theory-JohnBarry

2.WomenpopulationandGlobalcrisis:APolitical-EconomicAnalysis-A Bandarage– ZedBooks

3.RethinkingGreenPolitics:Nature,Virtueand Progress-Sage

4. HumanNature-Sage

5. Societyand Nature:Towardsa greensocialTheory-P.Dickens

6.RationalEcology:Environmentaland PoliticalEconomy–Oxford

7.EnvironmentalismandPoliticaltheory:TowardonEcocentricapproach- London,1992

8.SocialtheoryandtheEnvironment-Goldbalt.D

9.GreenPoliticaltheory-R.Goodin

10.VarietiesofEnvironmentalism:EssaysNorthandSouth-Ed.Guha,Zed Books

11.TheDeathofNature-MerchantC. HardernandRow

12.FeminismandEcology-Mellor.M

13.TheEcocriticismReader-CherrylGlotfethy& HaroldFromsus

14.The GreenStudiesReader-Laurence.Coupe

15.बहुजनहिताय-अरुन्धतीरॉय

16.हरितराष्ट्रीयम-जॉर्जके.

17.हरित निरूपणम मलयालत्तिल-जी.मधुसूदनन

18.The one Straw Revolution-MasanobuFukouka

20.NaturalwayofFarming:TheTheoryandpracticeofGreenPhilosophy- MasanobuFukouka

21.The RoadBackto Nature-MasanobuFukouka

22.LiteratureandEcology:AnExperimentEcoCriticism-WilliamRouckert

23.Natureand Man:The HinduPerspectives-StefanoDeSantis

24.Marx's Ecology-JohnBellary Foster

25.Eco-Feminism- VandanaSiva

26.WaterWars,Privatisation,pollutionandprofit -VandanaSiva

27.ManifestoontheFuture ofFoodand Seed-Ed.VandanaSiva

28.Globalizationand Environment-Martin Khor

29. Gandhi'sChallegetoModernScience- SunilSahasrabudhey

30.RadicalEcologyand ClassStruggle-J.Shants

COURSE :**पारिस्थितिक पाठ(PARISTITIK PATT))**

Credit :2 Total 72 Hours

CO	CO Statement	PO/PSO	CL	KC	Class Session & Tutorial Hour	Lab/Field Hours	Assessment
CO 1	पर्यावरण,प्रदूषण,मानव और प्रकृति तथा पारिस्थितिकी को समझना	PO 1/PSO 2	U	C	8	00	
CO 2	पारिस्थितिक समस्याओं को विश्लेषित करना	PO 1/PSO 2	AN	C	8	00	
CO 3	पारिस्थितिक संवेदना की संप्रेषणीयता को साहित्य में विश्लेषित करना	PO 1, /PSO 2	AN	C	6	00	
CO 4	पारिस्थितिक आंदोलन की जानकारी प्राप्त करना	PO 1/PSO 2	U	C	8	00	
CO 5	निर्धारित ग्रंथों (text) के आधार पर पारिस्थितिक समस्याओं से अवगत होना	PO 1& 4/ PSO 2	U	F	10	00	
CO 6	निर्धारित कहानियों (text)को पारिस्थितिकी के सिद्धांतों के आधार पर विश्लेषित करना	PO 1/PSO 2	AN	P	12	00	
CO 7	निर्धारित रचनाओं(text) के आधार पर पारिस्थितिक संवेदना को समझना	PO 1/PSO 2	AN	P	12	00	
CO 8	निर्धारित उपन्यास (text)के आधार पर पारिस्थितिक समस्याओं को विश्लेषित करना	PO 1/PSO 2	AN	P	08	00	

PHNM 10615 हिंदी साहित्य में गाँधी(HINDI SAHITYA MEIN GANDHI) क्रेडिट-4

Course Learning Outcomes

CO 1 गांधीवाद की अवधारणा को समझना

CO 2 भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलनों का विश्लेषण करना

CO 3 सांस्कृतिक उपनिवेशन के खतरों को समझकर उसका गान्धी प्रतिरोध उपस्थित करना

CO 4 राजनीति और धर्म के संदर्भ में गान्धी प्रदत्त अवधारणा को समझना

CO 5 नाटक(Text) में गान्धी के विचारों को समझना

CO 6 कथा साहित्य में गान्धी के विचारों की संप्रेषणीयता को पाठ के आधार पर परखना

CO 7 कविता में गान्धी दर्शन की संप्रेषणीयता की जाँच करना

इकाईएक: गाँधीजी–गाँधीवाद–गाँधी:गाँधीएकविचार। स्वतंत्रता आन्दोलन-इंडियननेशनल कांग्रेस-उपनिवेशवाद का विरोध–

इकाईदो आधुनिक सभ्यता विमर्श–शहर बनाम गाँव–सांस्कृतिक उपनिवेशन की चेतावनी। उपनिवेशवाद विरोधी औजार-चर्खा-हिंदी-स्वदेशी-मनुष्यता

इकाईतीन धर्म और राजनीति– धर्म निरपेक्षता–राम का अर्थ केन्द्रीकरण का विरोध-ट्रस्टीशीप लक्ष्य एवं मार्ग की शुद्धता

इकाईचार कृतिपाठ

1. गोडसे@गाँधीडॉटकॉम-असगरबजाहत

2.गाँधीबोलेथे-अभिमन्युअनत

3. कहानियाँ- भाई का सत्याग्रह- उदय प्रकाश
   हे राम- सुशांत सुप्रिय
   एक गाँव फुलझर-कैलाशबनवासी

4. कविताएँ- 1. जाहिल मेरे बाने- भवानी प्रसाद मिश्र

2. उत्तर पटकथा बनाम सुराजेहिन्द- भगवत रावत

3.सपने में गाँधी-अशोक तिवारी

4.पाँच सौ के नोट पर गाँधी- दिनकर कुमार

5.गणतंत्रदिवस-ज्ञानेन्द्रपति

6. बापू- दिनकर

सन्दर्भग्रन्थ

1. विकल्प हीन नही है दुनिया-किशन पट नायक-राजकमलप्रकाशन
2. गाँधी,मार्क्स औरसम सामयिक सन्दर्भ-गणेशमंत्री,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली
3. गाँधी के देश में-सुधीरचन्द्र,राज कमल प्रकाशन
4. आत्मपरिचय-फणीश्वरनाथरेणु,राजकमल प्रकाशन
5. स्वप्न और यथार्थ-पूरन चन्द्र जोशी,राजकमल प्रकाशन
6. गाँधी का अहिंसात्मक इन्कलाब और हिन्दु स्वराज-सं.विनोदशाही,आधार प्रकाशन
7. धरती की पुकार-सुन्दरलालबहुगुणा,राजकमलप्रकाशन
8. गाँधी और उसके आलोचक-बलराम नन्दा
9. दूसरे शब्दों में-निर्मल वर्मा,राजकमल प्रकाशन
10. संस्कृति:वर्चस्व और प्रतिरोध-पुरुषोत्तम अग्रवाल,राजकमल प्रकाशन
11. गाँधी,अम्बेडकर,लोह्या औरइतिहास की समस्यायें-राम विलास शर्मा,वाणी प्रकाशन
12. प्राच्यवाद और प्राच्य भारत-विनोदशाही,आधारप्रकाशन
13. नैतिकता के नए सवाल-सं.राजकिशोर,वाणीप्रकाशन

COURSE :**हिंदी साहित्य में गान्धी (HINDI SAHITYA MEIN GANDHI)**

Credit :2 Total 72 Hours

CO	CO Statement	PO/PSO	CL	KC	Class Session & Tutorial Hour	Lab/Field Hours	Assessment
CO 1	गांधीवाद की अवधारणा को समझना	PO 1/PSO 1	U	C	8s	00	
CO 2	भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलनों का विश्लेषण करना	PO 1/PSO 1	An	F	8	00	
CO 3	सांस्कृतिक उपनिवेशन के खतरों को समझकर उसका गान्धी प्रतिरोध उपस्थित करना	PO 1/PSO 1	An/Ev	C	8	00	
CO 4	राजनीति और धर्म के संदर्भ में गान्धी प्रदत्त अवधारणा को समझना	PO 1/PSO 1	U	U	8	00	
CO 5	नाटक(Text) में गान्धी के विचारों को समझना	PO 1/PSO 1	P	An	10	00	
CO 6	कथा साहित्य में गान्धी के विचारों की संप्रेषणीयता को पाठ के आधार पर परखना	PO 1/PSO 3	An	Pro	20	00	
CO 7	कविता में गान्धी दर्शन की संप्रेषणीयता की जाँच करना	PO 1/PSO 3	An	Pro	10	00	

PHNM10616 दलित साहित्य(DALITSAHITYA)क्रेडिट-4

Course Learning Outcomes

CO 1 दलित की अवधारणा को समझना

CO 2 दलित आन्दोलनों को समझना

CO 3 दलित के जीवन संघर्ष को समझना

CO 4 निर्धारित कृतियों के आधार पर दलित जीवन का विश्लेषण करना

CO 5 निर्धारित रचनाओं के आधार पर दलित के भोगे हुए यथार्थ को समझना

CO 6 निर्धारित कहानियों के आधार पर समकालीन संदर्भ में दलित जीवन को समझना

CO 7 निर्धारित कविताओं के आधार पर दलित जीवन की विसंगतियों का विश्लेषण करना

इकाई-एक : दलित की अवधारणा–दलितऔर सर्वहारा–भारत में दलित आन्दोलन–जोतिबा फुले–बी.आर.अम्बेडकर–बहुजन समाज पार्टी।

इकाई-दो : धर्म की सुरंग–मनुष्य होने का संघर्ष–ऐतिहासिक यात्रा।

इकाईतीन : उपन्यास:मुक्तिपर्व–मोहनदास नैमिशराय

आत्मकथा:मुर्दहिया–तुलसीराम

इकाईचार : कहानियाँ

1.ओम प्रकाश वाल्मीकि - शवयात्रा

2.जयप्रकाश कर्दम - लाठी

3.रतनकुमारसंभारिया - फुलवा

4. सुशीला टाकभौरे - सिलिया

5. बाबूलाल चामरिया - गंगा तनया

कविताएँ

ओम प्रकाश वाल्मीकि: बस्स !बहुतहोचुका,वेभूखेहैं,कद

सुशीलाटाकभौरे	: बुद्धवादीचिन्तन,नयाइतिहास,औरतनहींमज़बूर
सूरजपालचौहान	: मेराइतिहास, कबहोगीवहभोर
मुकेशमानस	अछूतदान,राजवती,इतिहास
कंवलभारती	:शंबूक,चिडिया जो मारी गई
जयप्रकाशकर्दम	: किले,मैंगूँगानहींथा

सन्दर्भग्रंथ

1. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र-ओम प्रकाश वाल्मीकि,राधाकृष्ण प्रकाशन
2. आधुनिकता के आईने में दलित-सं.अभय कुमार दुबे,वाणी
3. हरिजन से दलित-सं.राजकिशोर,वाणी प्रकाशन
4. दलित विमर्श की भूमिका-कंवल भारती,इतिहास बोध प्रकाशन,इलाहाबाद
5. दलित विमर्श:कुछ मुद्दे कुछ सवाल-उमाशंकर चौधरी,आधार प्रकाशन
6. हाशिए की वैचारिकी-सं.उमाशंकर चौधरी
7. हिस्सेदारी के प्रश्न प्रतिप्र ाश्न-सं.उमाशंकरचौधरी
8. दलित साहित्य के प्रतिमान-एन.सिंह,वाणी प्रकाशन
9. दलित चिन्तन का विकास-धर्मवीर,वाणी प्रकाशन
10. यथार्थवाद और हिन्दी दलित साहित्य-सर्वेश कुमार मौर्य,स्वराज प्रकाशन,नई दिल्ली
11. दलित कविता का संघर्ष-कंवल भारती,स्वराज प्रकाशन
12. साहित्य का नया सौन्दर्य शास्त्र-सं.देवेन्द्र चौबे,किताबघ ार,नइ र्दिल्ली

COURSE :**दलित साहित्य(DALITSAHITYA)**

Credit :2 Total 72 Hours

CO	CO Statement	PO/PSO	CL	KC	Class Session & Tutorial Hour	Lab/Field Hours	Assessment
CO 1	दलित की अवधारणा को समझना	PO 1/PSO 1	U	F	08	00	
CO 2	दलित आन्दोलनों को समझना	PO 3/PSO 1	U	F	8	00	
CO 3	दलित के जीवन संघर्ष को समझना	PO 1/PSO 3	U	C	8	00	
CO 4	निर्धारित कृतियों के आधार पर दलित जीवन का विश्लेषण करना	PO 1/PSO 2	AN	C	12	00	
CO 5	निर्धारित रचनाओं के आधार पर दलित के भोगे हुए यथार्थ को समझना	PO 1/PSO 2	AN	C	12	00	
CO 6	निर्धारित कहानियों के आधार पर समकालीन संदर्भ में दलित जीवन को समझना	PO 1/PSO 2	An	C	12	00	
CO 7	निर्धारित कविताओं के आधार पर दलित जीवन की विसंगतियों का विश्लेषण करना	PO 1/PSO 2	An	C	12	00	

PHNM 10617विशेष साहित्यकार:प्रेमचंद(VISHESH SAHITYAKAR : PREMCHAND)

क्रेडिट-4

Course Learning Outcomes

CO 1 हिंदी कथा साहित्य के उद्भव और विकास को समझना

CO 2 हिंदी कथा साहित्य की कथ्यपरक विशेषताओं को समझना

CO 3 हिंदी कथा साहित्य पर पडे पाश्चात्य प्रभाव को विश्लेषित करना

CO 4 प्रेमचंद की रचनाओं के क्रमिक विकास को समझना

CO 5 प्रेमचंद की वैचारिक दुनिया को पहचानना

CO 6 कथा साहित्य में गान्धी के विचारों की संप्रेषणीयता को पाठ के आधार पर परखना

CO 7 निर्धारित निबंधों के माध्यम से प्रेमचंद की प्रासंगिकता को निर्धारित करना

CO 8 उपनिवेशन के संदर्भ में 'रंगभूमि' उपन्यास का विश्लेषण करना

इकाई एक : हिन्दी कथा साहित्य का आरंभ–आदर्श एवं रोमांस–आदर्श से यथार्थ–पश्चिमी प्रभाव।

इकाई दो : प्रेमचन्द की वैचारिक दुनिया—गाँधी का प्रभाव–प्रगतिशील साहित्य एवं मार्क्सवाद-सामाजिक यथार्थ -रचना यात्रा।

इकाई तीन : 1.महाजनी सभ्यता- साहित्य काउद्देश्य,संस्कृति और सांप्रदायिकता।

2.शतरंज के खिलाडी,ईदगाह,ठाकुर का कुआँ,पंच परमेश्वर,पूस की रात।

इकाई चार : रंगभूमि।

सन्दर्भ ग्रंथ

1. प्रेमचन्द:विगत महत्ता और वर्तमान अर्थवत्ता सं.मुरली मनोहर प्रसाद सिंह,रेखा अवस्थी,राजकमल प्रकाशन
2. प्रेमचन्द के आयाम सं. ए. अरविन्दाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन

3. प्रेमचन्द:साहित्य और संवेदना	सं.पी.वी.विजयन,जवाहर पुस्तकालय
4. प्रेमचन्द और उनका युग	रामविलास शर्मा,राजकमल प्रकाशन
5. प्रेमचन्द का पुनःमूल्यांकन	शंभुनाथ,वाणी प्रकाशन
6. कलम का सिपाही:प्रेमचन्द	अमृतरॉय
7. कलम का मज़दूर:प्रेमचन्द	मदन गोपाल
8. हिन्दी उपन्यास का इतिहास	गोपाल राय,राजकमल प्रकाशन
9. प्रेमचन्द	नन्ददुलारे वाजपेयी
10.प्रेमचन्द की बस्ती	सं. विजयदान देथा, वाणी प्रकाशन
11.कहानीकार प्रेमचन्द	सं.रामदरश मिश्र मूलचन्द गौतम
12.प्रेमचन्द	सं.गंगाप्रसाद विमल
13.प्रेमचन्द और भारतीय समाज	नामवरसिंह,राजकमल प्रकाशन
14.परिवर्तन और विकास के सांस्कृतिक आयाम	पूरनचन्द्रजोशी,राजकमल प्रकाशन

COURSE :**विशेष साहित्यकार:प्रेमचंद(VISHESH SAHITYAKAR : PREMCHAND)**

Credit :4Total 72 Hours

CO	CO Statement	PO/PSO	CL	KC	Class Session & Tutorial Hour	Lab/Field Hours	Assessment
CO 1	हिंदी कथा साहित्य के उद्भव और विकास को समझना	PO 3/PSO 1	U	F	8	00	
CO 2	हिंदी कथा साहित्य की कथ्यपरक विशेषताओं को समझना	PO 1/PSO 4	U	C	10	00	
CO 3	हिंदी कथा साहित्य पर पडे पाश्चात्य प्रभाव को विश्लेषित करना	PO 1/PSO 3	AN	C	8	00	
CO 4	प्रेमचंद की रचनाओं के क्रमिक विकास को समझना	PO 1/PSO 4	U	C	8	00	
CO 5	प्रेमचंद की वैचारिक दुनिया को पहचानना	PO 1/PSO 1	P	An	10	00	
CO 6	कथा साहित्य में गान्धी के विचारों की संप्रेषणीयता को पाठ के आधार पर परखना	PO 3/PSO 3	U	C	12	00	
CO 7	निर्धारित निबंधों के माध्यम से प्रेमचंद की प्रासंगिकता को निर्धारित करना	PO 1/PSO 2	An	C/EV	8	00	
CO8	उपनिवेशन के संदर्भ में 'रंगभूमि' उपन्यास का विश्लेषण करना	PO 1/PSO 2	An	C/EV	8	00	

PHNM 10618 साहित्य और सिनेमा **(SAHITYA AUR CINEMA)**क्रेडिट-4

क्रेडिट-4

Course Learning Outcomes

CO 1 साहित्य एवं संस्कृति के अंतर और परस्पर संबंध को समझना

CO 2 रूपातंरण संबंधी विविध सिद्धांत एवं दृष्टिकोणों से परिचित होना

CO 3 पटकथा तैयार करते समय साहित्य और सिनेमा की भाषागत विशेषताओं को समझना

CO 4 सत्यजित रॉय की रूपांतरित सिनेमा का विश्लेषण करना

CO 5 भारतीय भाषाओं में साहित्य से रूपातंरित सिनेमा का विश्लेषण करना

CO 6 भारतीय सिनेमा के क्षेत्र में हुए रूपांतरणों की प्रवृत्तियों और उनके लक्ष्य का मूल्याकन करना

CO 7 साठोत्तरी सिनेमा के क्षेत्र में रूपांतरणों का विश्लेषण करना

CO 8 इतिहास और पुराण पर आधारित साहित्यिक रचनाओं के रूपातंरण को समझना

CO 9 लोककथाओं के रूपातंरण का विश्लेषण करना

CO 10 दृश्य पाठ के आधार पर विविधि साहित्यिक विधाओं से रूपातंरित सिनेमा का विश्लेषण करना

इकाई1 साहित्य और सिनेमा का परस्पर संबंध- ऐतिहासिक संदर्भ-सौन्दर्यशास्त्रपरक संदर्भ-रूपान्तरण का पाठ-सिनेमा के प्रति विविध एप्रोच-आधुनिकोत्तर काल में सिनेमा के रूपांतरण और उनकी प्रवृत्तियाँ ।

इकाई2 सिनेमा के रूपातंरण की भारतीय पृष्ठभूमि-इतिहस पुराण पर आधारित फिल्में-मूक फिल्में-नवजागरण काल में सिनेमा और साहित्य-सिनेमा साहित्य एवं संस्कृति- समकालीन सिनेमा और साहित्य, बोलीवुड सिनेमा ।

इकाई2 हिंदी साहित्य और सिनेमा का आरंभिक दौर और रूपान्तरण-साठोत्तर काल में साहित्य और सिनेमा के संबंध,रूपातंरण-टेलिफिल्में-इतिहास पुराण कथाओं पर आधारित महाकाव्यों का रूपातंरण ।

इकाई4 कृतिपाठ

1. शतरंज के खिलाड़ी
2. तमस

3. मोहनदास

संदर्भग्रंथ

पुस्तकें

1. भारतीय चलचित्र- डॉ. मनहेन्द्र मित्तल
2. सिनेमा और संस्कृति-राही मासूम रज़ा
3. पटकथा लेखन:एक परिचय-मनोहर श्याम
4. हिंदी चित्रपट का उद्भव एवं विकास-डॉ.ओमकार प्रसाद महेश्वरी
5. चलचित्र समीक्षा- विजयकृष्णन
6. चलचित्र भाषा- जोसफ डिकवेल
7. भारतीय चलचित्र का इतिहास-फिरोज़ रांगनवाल-राजपाल एण्ड सन्स
8. इण्डियन फिल्म-एरिक बुरनोव एस कृष्णस्वामी-ओक्सफोर्ड यूनिवेर्सिटी प्रेस
9. Portrateof Satyajit Ray-चितानंद दास गुप्त,विकास पब्लिशिंग हाऊस,नई दिल्ली
10. मलयाल सिनेमयुट कथा-विजयकृष्णन,मातृभूमि प्रकाशन
11. पटकथा लेखन:एकपरिचय-मनोहर श्याम जोशी,राजकमल प्रकाशन
12. पटकथा कैसे लिखे-राजेन्द्र पाण्डे
13. सिनिमयुटे लोकम-अडूर गोपालकृष्णन,केरल भाषा इंस्टिट्यूट
14. सिनिमयुटे टेकनीक-मधु वायपना
15. चलचित्रत्तिन्टे पोसल- विजय कृष्णन, केरला भाषा इन्स्टिट्यूट
16. Thebasicfilmstudies-AnyvillarjoRouledge,LondonandNewyork
17. सिनेमा की सोच-अजय ब्रह्मात्मज
18. सिनेमा कल आज और कल-विनोद भारद्वाज,वाणी प्रकाशन
19. सिनेमा;समकालीन सिनेमा-अजय ब्रह्मात्मज,वाणी प्रकाशन

20.सिनेमा और संस्कृति-राही मासूम रज़ा-वाणी प्रकाशन

21.कथा-पटकथा-मन्नु भण्डारी-वाणी प्रकाशन

22.पटकथा लेख:एकपरिचय-मनोहर श्याम जोशी,तक्षशिला प्रकाशन

23.सिनेमा के बारेमें-जावेद अक्तर,सत्यजित राय

24.पथेर पांचाली और फिल्मी जगत-सत्यजित राय,तक्षशिला प्रकाशन,नई दिल्ली

COURSE :**साहित्य और सिनेमा (SahityaAurCinema))**

Credit :4Total 72 Hours

CO	CO Statement	PO/PSO	CL	KC	Class Session & Tutorial Hour	Lab/Field Hours	Assessment
CO 1	साहित्य एवं संस्कृति के अंतर और परस्पर संबंध को समझना	PO 1,2/PSO 1,2	U	C F	6	00	
CO 2	रूपातंरण संबंधी विविध सिद्धांत एवं दृष्टिकोणों से परिचित होना	PO 1/PSO 1 &2	U	F	6	00	
CO 3	पटकथा तैयार करते समय साहित्य और सिनेमा की भाषागत विशेषताओं को समझना	PO 1,2/PSO 1,2	AW U	C	8	00	
CO 4	सत्यजित रॉय की रूपांतरित सिनेमा का विश्लेषण करना	PO 1/PSO 1,2	U A	C P	6	00	
CO 5	भारतीय भाषाओं में साहित्य से रूपातंरित सिनेमा का विश्लेषण करना	PO 1,3 PSO 1,2	U AW	C F	8	00	
CO 6	भारतीय सिनेमा के क्षेत्र में हुए रूपांतरणों की प्रवृत्तियों और उनके लक्ष्य का मूल्याकन करना	PO 1/PSO 1	AW EV	C	8	00	
CO 7	साठोत्तरी सिनेमा के क्षेत्र में रूपांतरणों का विश्लेषण करना	PO 1/PSO 1 &2	U AW AP	C P	8	00	
CO 8	इतिहास और पुराण पर आधारित साहित्यिक रचनाओं के रूपातंरण को समझना	PO 1, /PSO 1,2 &3	AW AP	C P	8	00	
CO 9	लोककथाओं के रूपातंरण का विश्लेषण करना	PO 1/PSO 2	X	C	8	00	
CO 10	दृश्य पाठ के आधार पर विविधि साहित्यिक विधाओं से रूपातंरित सिनेमा का विश्लेषण करना	PO 1,2 PSO 1,2	AP	C P	6	00	

THIRD SEMESTER

PHNM 10619 समकालीन भारतीय साहित्य(SAMAKALEEN BHARATHIYA SAHITYA)

क्रेडिट-4

Course Learning Outcomes

CO 1 भारतीय सामासिक संस्कृति के विभिन्न तत्वों को समझना

CO 2 भारतीयता के स्वरुप को बनाये रखने में समकालीन भारतीय साहित्य की भूमिका को समझना

CO 3 भारतीय साहित्य की विभिन्न प्रवृत्तियों को समझना

CO 4 सांस्कृतिक आदान प्रदान के विशेष परिप्रेक्ष्य में समकालीन भारतीय साहित्य की भूमिका का विश्लेषण करना

CO 5 भावात्मक एकता के विशेष संदर्भ में समकालीनभारतीय साहित्य का विवेचन एवं विश्लेषण करना

CO 6 सामाजिक, आर्थिक,राजनीतिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में समकालीन भारतीय साहित्य का विश्लेषण करना

CO 7 वैश्विक साहित्य के अध्ययन,आस्वादन एवं विश्लेषण के परिप्रेक्ष्य में समकालीन भारतीय साहित्य का स्थान निर्धारित करना

CO8 उपर्युक्त सभी प्रवृत्तियों के संदर्भ में समकालीन भारतीय साहित्य की प्रतिनिधि रचनाओं को समझना

इकाई एक भारतीय साहित्य की भूमिका

इकाई दो भारतीय साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ–सांस्कृतिक आदान-प्रदान–भावात्मक एकता।

इकाई तीन सामाजिक–आर्थिक–राजनीतिक–सांस्कृतिक परिस्थितियाँ–पुनर्मूल्यांकन

इकाई चार कृति-अध्ययन

1.तुग्लक गिरीशकरनाड

2.कोच्चिकेदरुख्त के.जी.शंकरपिल्ला

3. मास्टर साहब महाश्वेता देवी

4.अक्करमाशी शरणकुमारलिंबाले

5.पॉलगोमराकास्कूटरउदयप्रकाश

संदर्भग्रंथ

1. इंडियन लिटरेचर-सं.के.एम.जार्ज
2. भारतीय साहित्य-सं.नगेन्द्र
3. कंटम्पोररी इंडियान लिटरेचर-साहित्य अकादमी,दिल्ली
4. इंडियन लिटरेचर सिन्स इंडिपेन्डेन्स-साहित्य अकादमी,दिल्ली
5. भारतीयता-सुकुमार अष़ीक्कोड
6. संस्कृति केचार अध्याय-रामधारी सिंह दिनकर
7. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र-शरणकुमार लिंबाले
8. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र-ओम प्रकाश वाल्मीकी
9. स्वप्न और यथार्थ- पूरन चन्दर जोशी
10.आत्मकथा की संस्कृति-पंकज चतुर्वेदी

COURSE :**समकालीनभारतीयसाहित्य(SAMAKALEEN BHARATHIYA SAHITYA)**

Credit :4Total 72 Hours

CO	CO Statement	PO/PSO	CL	KC	Class Session & Tutorial Hour	Lab/Field Hours	Assessment
CO 1	भारतीय सामासिक संस्कृति के विभिन्न तत्वों को समझना	PO1/PSO1	U	F	08	00	
CO 2	भारतीयता के स्वरुप को बनाये रखने में समकालीन भारतीय साहित्य की भूमिका को समझना	PO4/PSO1	AN	C	09	00	
CO 3	भारतीय साहित्य की विभिन्न प्रवृत्तियों को समझना	PO3/PSO2	U	C	08	00	
CO 4	सांस्कृतिक आदान प्रदान के विशेष परिप्रेक्ष्य में समकालीन भारतीय साहित्य की भूमिका का विश्लेषण करना	PO3/PSO4	AN	C	08	00	
CO 5	भावात्मक एकता के विशेष संदर्भ में समकालीन भारतीय साहित्य का विवेचन एवं विश्लेषण करना	PO4/PSO4	E	C	08	00	
CO 6	सामाजिक, आर्थिक,राजनीतिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में समकालीन भारतीय साहित्य का विश्लेषण करना	PO1/PSO4	E	C	09	00	
CO 7	वैश्विक साहित्य के अध्ययन,आस्वादन एवं विश्लेषण के परिप्रेक्ष्य में समकालीन भारतीय साहित्य का स्थान निर्धारित करना	PO1/PSO2	AN	F	10	00	
CO 8	उपर्युक्त सभी प्रवृत्तियों के संदर्भ में समकालीन भारतीय साहित्य की प्रतिनिधि रचनाओं को समझनाा	PO3/PSO2	AN	C	12	00	

PHNM 10620 स्त्रीपाठ (STREE PATT)क्रेडिट-4

Course Learning Outcomes

CO 1 स्त्री मुक्ति आन्दोलनों के ऐतिहासिक विकास क्रम,प्रकृति एवं प्रकारों को समझना

CO 2 स्त्री विमर्श पर भारतीय एवं पाश्चात्य अवधाराणाओं की जाँच करना

CO 3 पितृसत्तात्मक सामाजिक व्यवस्था एवं समाज में स्त्री की भूमिका को परखना

CO 4 स्त्री पक्षीय सिद्धांतों की जानकारी हासिल करना

CO 5 स्त्री शाक्तिकरण में साहित्य की भूमिका का मूल्यांकन करना

CO 6 स्त्री पक्षीय परिप्रेक्ष्य में समकालीन साहित्य को परखना

CO 7 स्त्री रचनाकारों की रचनाओं में प्रस्तुत नारी प्रतिबोध के स्वर को पहचानना

CO8 स्त्री रचनाकारों की चुनी हुई कविताओं एवं अन्य विधाओं में व्यक्त विचारों के संदर्भ में स्त्री चेतना का मूल्यांकन करना

इकाइ 1 स्त्री आन्दोलन–उद्भव और विकास–भारतीय एवं पश्चिमी अवधारणाएँ–सैद्धान्तिक पक्ष

इकाई2 साहित्य में स्त्री चेतना–हिन्दी साहित्य में–विभिन्न विधाओं में नारी चेतना

इकाई3 समकालीन महिला रचनाकार और उनकी रचनाएँ–कविता–कहानी–उपन्यास-नाटक–आत्मकथा

इकाई 4 कृति-अध्ययन

I. चुनी हुई कविताएँ

	लेखिका	कविता	संकलन
1.	कीर्ति चौधरी	एकलथ बरसते हैं मेघ झरझर एक साँझ	तीसरा सप्तक
2.	शकुन्त माथुर	दोपहरी केसर रंग रँगे आंगन ताज़ा पानी, लीडर का निर्माता	दूसरा सप्तक
3.	गगनगिल	मछली ,अँधेरे मेंब ुद्ध एक दिन लौटेगी लडकी	अँधेरे में बुद्ध एक दिन लौटेगी लडकी
4.	कात्यायनी	एक भूतपूर्वन गरवधू की दुर्गपति से प्रार्थना, औरत और घर	इस पौरुष पूर्ण समय में

5.	रमणिकागुप्ता	मुझे तुम्हारे कालेपन पर प्यार आता था. प्रतिनिधि कविताएँ	
		आदिवासी ने तीर क्यों चलाया?	
		जंगल का संघर्ष	
		झारखंडस-ंघर्ष	
		अभिजात और औरत	
6.	अनामिका	इंतज़ार	बीजाक्षर
		विस्थापन	
		कैलेंडर	
7.	अनिता वर्मा	युद्ध की छाया	एक जन्म में सब
		एक दुर्घटना और	
8.	इन्दु जैन	युद्ध में औरत	कुछ-न-कुछ टकराएगा ज़रूर
9.	सावित्री डागा	नई संस्कृति	शताब्दी की सरहदपर
		राम का मकान,युद्ध	
10.	अलका सिन्हा	मधुमास	तेरी रोशनाई
		महासागर के नाम	होना चाहती है
		महानगर में नदी	
11.	शीला गुजराल	धरती का आर्तनाद-1	धरती का आर्तनाद
		धरती का आर्तनाद-2	
		तुलसी और कैक्टस	
		डंक	
12.	नीलेश रघुवंशी	घर निकासी	घरनिकासी
		बारिश	
		धीरज	
		मुझे प्रेम चाहिए	
		किसान	
		बारिश केलिए प्रार्थना	अंतिम पंक्ति में
		पानी का स्वाद	
		विज्ञापन में किसान	पानी का स्वाद

II.	औरत की कहानी	सं.सुधा अरोडा	भारतीय ज्ञानपीठप्र ाकाशन18 इन्स्टिट्यूशनल एरिया,लोदीरोज नई दिल्ली
III.	मोबाइल	क्षमा शर्मा	
IV.	स्त्री:देह की राजनीति से देश की राजनीति तक	मृणाल पाण्डे	राजकमल प्रकाशन,नेताजी सुभाष मार्ग दरियागंज,नइ दिल्ली

संदर्भग्रन्थ

1. स्त्री:परंपरा और आधुनिकता-सं.राज किशोर,वाणी प्रकाशन,21 ए,दरियागंज,नई दिल्ली
2. बाज़ार के बीच बाज़ार के खिलाफ-प्रभा खेतान,वाणी प्र.
3. सुनो मालिक सुनो-मैत्रेयी पुष्पा,वाणी प्र.
4. स्त्री मुक्ति का सपना-सं.कमला प्रसाद,वाणी प्र.
5. स्त्री संघर्ष का इतिहास-सं.राधाकुमार,वाणीप्र.
6. औरत अस्तित्व और अस्मिता-अरविन्द जैन,राजकमल टी.बी.नेताजी सुभाष मार्ग,नई दिल्ली
7. स्त्री सशक्तीकरण की दिशा-रेखा कस्तवार,राजकमल
8. स्त्री चिंतन की चुनौतियाँ-रेखा कस्तवार,राजकमल
9. उपनिवेश में स्त्री-प्रभा खेतान,राजकमल
10. न्याय क्षेत्र अन्याय क्षेत्र- सं. अरविन्द जैन
11. कहानी:समकालीन चुनौतियाँ-शंभुनाथ,वाणी प्रकाशन
13. कविता और समय-अरुण कमल,वाणी
14. समकालीन हिन्दी कविता और राजनीति-डॉ.रामपाण्डे,राधा पब्लिकेशन्स,4231/1,अंसारी रोड़,दरियागंज,नई दिल्ली,110002
15. मानवाधिकार और महिलाएँ-डॉ.निशान्त सिंह,राधा पब्लिकेशन्स
16. स्त्री लेखन और समय का सरोकार-हेमलता महिश्वर,नेहा प्रकाशन,295,बैंकइन्क्लेव, लक्ष्मी सागर,दिल्ली-2
17. दुर्ग द्वार पर दस्तक- कात्यायनी, परिकल्पना, 3/284,विखास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ

COURSE :**स्त्री पाठ(STHREE PATT)**Credit :4 Total 72 Hours

CO	CO Statement	PO/PSO	CL	KC	Class Session & Tutorial Hour	Lab/Field Hours	Assessment
CO 1	स्त्री मुक्ति आन्दोलनों के ऐतिहासिक विकास क्रम,प्रकृति एवं प्रकारों को समझना	PO 1/PSO1	U	F	06	00	
CO 2	स्त्री विमर्श पर भारतीय एवं पाश्चात्य अवधाराणाओं की जाँच	PO 1/PSO 1	U AN	CON	06	00	
CO 3	पितृसत्तात्मक सामाजिक व्यवस्था एवं समाज में स्त्री की भूमिका की परख	PO 1/PSO3	U AN	CON	08	00	
CO 4	स्त्री पक्षीय सिद्धांतों की जानकारी हासिल करना	PO 1/PSO 2	U	F	10	00	
CO 5	स्त्री शाक्तिकरण में साहित्य की भूमिका का मूल्यांकन करना	PO 1/PSO 3	U AN	C	08	00	
CO 6	स्त्री पक्षीय परिप्रेक्ष्य में समकालीन साहित्य को परखना	PO 1/PSO3	U AN	C	12	00	
CO 7	स्त्री रचनाकारों की रचनाओं में प्रस्तुत नारी प्रतिरोध के स्वर को पहचानना	PO 1/PSO3	U AN	C	08	00	
CO 8	स्त्री रचनाकारों की चुनी हुई कविताओं एवं अन्य विधाओं में व्यक्त विचारों के संदर्भ में स्त्री चेतना का मूल्यांकन	PO 1/PSO3	U EV	C	14	00	

PHNM 10621 प्रगतिशील कविता(PRAGATHISHEEL KAVITA) क्रेडिट-4

Course Learning Outcomes

CO 1 प्रगतिशीलता की अवधारणा को समझना

CO 2 प्रगतिशील साहित्य की विकास यात्रा से परिचित होना

CO 3 प्रगतिशील साहित्य के विभिन्न पक्षों को समझना

CO 4 प्रगतिशील कविता का कथ्यगत विश्लेषण करना

CO 5 प्रगतिशील कविता की भाषिक संरचना से परिचित होना

CO 6 प्रगतिशील कवियों की व्यवस्था विरोधी चेतना को समझना

CO 7 प्रगतिशील सिद्धांतों के आधार पर निर्धारित कविताओं का विश्लेषण करना

इकाई1 प्रगतिशील साहित्य–सैद्धान्तिक पक्ष–प्रगतिशील लेखक संघ–हिन्दी में प्रगतिशील साहित्य– प्रगतिशील साहित्य के विभिन्न पक्ष।

इकाई 2 हिन्दी की प्रगतिशील कविता–कथ्य और शिल्प की प्रमुख विशेषताएँ–प्रमुख कवि।

इकाई 3 नागार्जुन,केदारनाथ अग्रवाल,त्रिलोचन,शील-व्यक्तित्व एवं कृतित्व–व्यवस्था विरोधी चेतना।

इकाई4 : कृतिपाठ

1.'प्रतिनिधि कविताएँ',नागार्जुन,राजकमल प्रकाशन,नयी दिल्ली।

प्रतिबद्ध हूँ,थकित-चकित-भ्रमित-भग्नमन,घिनता नहीं आती है?तेरी खोपड़ी के अन्दर,जान भर रहे हैं जंगल में,प्रेत का बयान,अकाल और उसके बाद,आओ रानी हम ढोएँगे पालकी,मंत्र कविता।

2.'चुनी हुई रचनाएँ',केदारनाथ अग्रवाल,सं.नरेन्द्र पुण्डरीक,अनामिका प्रकाशन,इलाहाबाद।

मोरचेपर,जो शिलाएँ तोड़ते हैं,चन्दवा चैती गाता है,पैतृक सम्पति,लौह का घन गल रहा है, मैं,हम और लोग,हे मेरी तुम वृद्ध हुए हम,हँस रहा हैउधर,सबसे आगे हम हैं,घर की घुटन में,किताब पढ़ती है एक औरत,आदमी की तरह आदमी के साथ,इसी जन्म में इस जीवन में।

3.'प्रतिनिधि कविताएँ',त्रिलोचन,राजकमल प्रकाशन,नयी दिल्ली।

ध्वनि ग्राहक,पश्यन्ती,मैं ने जीवन की शराब पी,मैं-तुम,अपना अपना सन्धान,प्रिय गान नहीं गा सका तो,चम्पा काले काले अच्छर नहीं चीन्हती,भोरइ केवट के घर,आज कल लड़ाई का जमाता है,अपराजेय,सूरज से मैंने कहा।

4.'लाल पंखों वाली चिड़िया',शील,राधा कृष्ण प्रकाशन,नयी दिल्ली।

कवि-कर्म,कविता,एक दृष्टि,धूप में धुए की शख्सियत,काल जयी जीवन का सत्य,वसन्त आयेगा,लाल पंखों वाली चिड़िया,मार्क्सवाद।

संदर्भ ग्रन्थ

1. मार्क्सवाद और प्रगतिशील साहित्य-रामविलास शर्मा,वाणीप्र,नई दिल्ली
2. नागार्जुन:एक लम्बी जिरह-विष्णु चंद्र शर्मा,वाणी,नई दिल्ली
3. नागार्जुन की कविता-अजय तिवारी,वाणी,नई दिल्ली
4. रचना के सरोकार-विश्वनाथ प्रसाद तिवारी,वाणी,नई दिल्ली
5. रचना का पक्ष-नंद किशोर नवल,वाणी,नई दिल्ली
6. त्रिलोचन के बारे में-गोविन्द प्रसाद,वाणी,नई दिल्ली
7. साठोत्तरी हिन्दी कविता में जनवादी चेतना, नरेंद्र सिंह, वाणी, नई दिल्ली
8. सुन्दर का स्वप्न-अपूर्वानंद,वाणी,नई दिल्ली
9. साहित्य और विचारधारा-ओम प्रकाश ग्रेवाल,आधार प्रकाशन,पंचकूला,हरियाणा
10. हिन्दी काव्य में प्रगतिवाद-विजयशंकर मल्ल,वाणी प्र,नई दिल्ली
11. प्रगतिशील कविता-सं.जगदीश चतुर्वेदी
12. नागार्जुन रचनावली-सं.शोभाकांत मिश्र,राजकमल,नईदल्ली
13. नागार्जुन:मेरे बाबूजी-शोभाकांत,वाणी,नइ दिल्ली
14. नागार्जुन का रचना-संसार-सं.विजय बहादुर सिंह
15. आलोचना-42- केदारनाथ अंक, जुलाई-सितम्बर 2011
16. सृजन-संदर्भ, अप्रैल-सितम्बर 2011
17. परिचय,अंक-10,मार्च2011
18. अनुशीलन, त्रिलोचन विशेषांक, 2001
19. समकालीन कविता की भूमिका-विश्वंभरनाथ उपाध्याय,नलंदा प्र,न दिल्ली

20.समकालीन कविता का सौंदर्यशास्त्र-रोहिताश्व,वाणी,न.दिल्ली

21.साहित्य और राजनीति-कुँवरपाल िंसह,भाषा प्र,न दिल्ली

22.जनवादी साहित्य के दस वर्षः जनवादी विचार मंच, ज.वि.मं. प्रकाशन, दिल्ली

23.हिन्दी की प्रगतिशील कविताःस्वरूप और प्रतिमान-मृत्युंजय उपाध्याय,अक्षर प्र.

24.साठोत्तरी हिन्दी कविता में लोक सौंदर्य-प्रकाश शुक्ल,लोकभारती,इलाहाबाद

25.कविता के बदलते सरोकार-रणजीत,सुधा रणजीत,अमन प्र.कानपुर

26.समकालीन कविता का परिदृश्य-वेद प्रकाश अमिताभ,अनंग प्र.न.दिल्ली

27.मार्क्सवाद और हिन्दी कविता-जगदीश चतुर्वेदी,राधा प्रकाशन

28.मार्क्सवादी सौंदर्यशास्त्र की भूमिका-रोहिताश्व,राधाकृष्ण प्र.न दिल्ली.

29.विद्रोह और साहित्य-नरेंद्र मोहन,देवेन्द्र हस्सर,साहित्य अकादमी,दिल्ली

COURSE :**प्रगतिशील कविता (PRAGATISHEL KAVITA)**

Credit :2 Total 72 Hours

CO	CO Statement	PO/PSO	CL	KC	Class Session & Tutorial Hour	Lab/Field Hours	Assessment
CO 1	प्रगतिशीलता की अवधारणा को समझना	PO 1/PSO 3	U	C	08	00	
CO 2	प्रगतिशील साहित्य की विकास यात्रा से परिचित होना	PO 3/PSO 3	R/U	F	08	00	
CO 3	प्रगतिशील साहित्य के विभिन्न पक्षों को समझना	PO 3/PSO 3	U	C	08	00	
CO 4	प्रगतिशील कविता का कथ्यगत विश्लेषण करना	PO 1/PSO 2	U	C	12	00	
CO 5	प्रगतिशील कविता की भाषिक संरचना से परिचित होना	PO 1/PSO 4	U	C	10	00	
CO 6	प्रगतिशील कवियों की व्यवस्था विरोधी चेतना को समझना	PO 1/PSO 3	An	C	12	00	
CO 7	प्रगतिशील सिद्धांतों के आधार पर निर्धारित कविताओं का विश्लेषण करना	PO 1/PSO 2	An	P	14	00	

PHNM 10622कथा साहित्य और धर्म निरपेक्षता

(KATHA SAHITYA AUR DHARMA NIRAPEKSHATA)क्रेडिट-4

Course Learning Outcomes

CO 1 धर्मनिरपेक्ष व्यवहार की मुख्य विशेषताओं, सांप्रदायिकता की राजनीतिक प्रतिक्रियाओं, सांस्कृतिक फासीवाद और राष्ट्रवादकी मान्यताओं को पहचानना

CO 2 सांप्रदायिकता का इतिहास और उसके विकास में उपनिवेशवादी या साम्रज्यवादी शक्तियों की भूमिका को समझना

CO 3 स्वतंत्र भारत की धर्मनिरपेक्ष स्थिति और गति तथा साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रतिरोध की अवधारणा को समझना

CO 4 सांप्रदायिकता के विरुद्ध हिंदी रचनाकारों के द्वारा किये गए साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रतिरोध को पहचानना

CO 5 सांप्रदायिक दंगों के प्रतिरोध में हिंदी उपन्यास की भूमिका एवं प्रासंगिकता को समझना

CO 6 स्वतंत्र भारत में सांप्रदायिक मानसिकता के फैलाव के संदर्भ में निर्धारित पाठ(Text) का विश्लेषण करना

CO 7 स्वतंत्र भारत की सांस्कृतिक फासीवादी वैचारिकता के प्रतिरोध में धर्मनिरपेक्ष मानसिकता के निर्धारित पाठ (Text)के आधार पर मूल्यांकन करना

CO8 निर्धारित पाठ (Text) के द्वारा सास्कृतिक फासीवाद और सांप्रदायिकता के विविध आयामों को समझना

CO 9 भाषिक संरचना के आधार पर निर्धारित पाठ(Text) का विश्लेषण करना

इकाई एक - धर्म निरपेक्षता-सेकुलरवाद-सांप्रदायिकता-य्याजनीति—एक राजनीतिक प्रक्रिया?-सांस्कृतिक फांसीवाद राष्ट्रवाद

इकाई दो - सांप्रदायिकता का इतिहास–उपनिवेशवादी शक्तियों की भूमिका–धर्मनिरपेक्षता स्वतंत्र भारत की स्थिति एवं गति–उसका सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रतिरोध।

इकाईतीन - वे वहाँ कैद है– प्रियंवद (उपन्यास)

इकाईचार - कहानियाँ

1.	मेरावतन	विष्णुप्रभाकर
2.	मलबेकामालिक	मोहनराकेश
3.	मेरीमाँकहाँ?	कृष्णासोबती
4.	पाली	भीष्मसाहनी
5.	मौतकानगर	अमरकांत
6.	अन्तिमइच्छा	बदीउज्ज़माँ
7.	अतिथिदेवो भवः	अब्दुलबिस्मिल्लाह
8.	पार्टीशन	स्वयंप्रकाश
9.	जख्म	असगर बजाहत
10.	और अन्त में प्रार्थना	उदयप्रकाश
11.	हमज़मीन	अवधेश प्रीत
12.	परिन्दे का इंतज़ार सा कुछ	नीलाक्षीं सिंह
13.	कबीर	सुशान्त सुप्रिय
14.	काला शुक्रवार	सुधा अरोडा
15.	बदली तुम हो सदिया	नमिता सिंह
16.	बेलपत्र	गीतांजलि श्री
17.	यूटोपिया	वन्दनाराग
18.	जयहिंद	हरिओम
19.	पाकिस्तानी एजेंट	जयनन्दन
20.	और जोसेफ मुसलमान हो गया	रहबान अली राकेश(हंस अक्तूबर2007)

सन्दर्भ ग्रंथ

1.	धर्म का मर्म	अखिलेश मिश्र,राजकमल प्रकाशन
2.	निज ब्रह्म विचार	पुरुषोत्तम अग्रवाल,राजकमल प्रकाशन
3.	बीच बहस में सेकुलरवाद	सं.अभयकुमार दुबे,वाणी प्रकाशन
4.	सांप्रदायिकता के स्रोत	सं.अभयकुमार दुबे,विनय प्रकाश,दिल्ली

5.	ईश्वर और धर्मनिरपेक्ष संस्कृति	शंभुनाथ,वाणी प्रकाशन
6.	धर्म सत्ता और प्रतिरोध की संस्कृति	राजाराम भादू,राजकमल,नई दिल्ली
7.	फासीवाद	अयोध्यासिंह, ग्रंथशिल्पी, दिल्ली
8.	समकालीन कहानी	सं.एन.मोहनन,शिल्पायन,नई दिल्ली
9.	आज़ादी की कहानी	मौलाना आज़ाद
10.	हिन्दुत्व की राजनीति	सं.राजकिशोर,वाणी प्रकाशन
11.	अयोध्य ाऔर उससे आगे	सं.राज किशोर,वाणी प्रकाशन
12.	लोकतांत्रिक भारत या हिन्दू राष्ट्र	रामपुनियानी,वाणी प्रकाशन
13.	हिन्दी कहानी के सौवर्ष	सं.एन.एम.सण्णी,अन्नासाली,जवाहर पुस्तकालय

COURSE :**कथा साहित्य और धर्मनिरपेक्षता**

(KATHA SAHITYA AUR DHARM NIRAPEKSHATA) Credit :4 Total 72 Hours

CO	CO Statement	PO/PSO	CL	KC	Class Session & Tutorial Hour	Lab/Field Hours	Assessment
CO 1	धर्मनिरपेक्ष व्यवहार की मुख्य विशेषताओं, सांप्रदायिकता की राजनीतिक प्रतिक्रियाओं, सांस्कृतिक फासीवाद और राष्ट्रवाद की मान्यताओं को पहचानना	PO 5/ PSO 3	R	F	8	00	
CO 2	सांप्रदायिकता का इतिहास और उसके विकास में उपनिवेशवादी या साम्रज्यवादी शक्तियों की भूमिका को समझना	PO 1/ PSO 3	U	C	6	00	
CO 3	स्वतंत्र भारत की धर्मनिरपेक्ष स्थिति और गति तथा साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रतिरोध की अवधारणा को समझना	PO 1/PSO3	R	C	6	00	
CO 4	सांप्रदायिकता के विरुद्ध हिंदी रचनाकारों के द्वारा किये गए साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रतिरोध को पहचानना	PO 5/PSO 3	U	F	6	00	
CO 5	सांप्रदायिक दंगों के प्रतिरोध में हिंदी उपन्यास की भूमिका एवं प्रासंगिकता को समझना	PO 1/PSO 2	U	C	10	00	
CO 6	स्वतंत्र भारत में सांप्रदायिक मानसिकता के फैलाव के संदर्भ में निर्धारित पाठ(Text) का विश्लेषण करना	PO 1/PSO2	U	C	10	00	
CO 7	स्वतंत्र भारत की सांस्कृतिक फासीवादी वैचारिकता के प्रतिरोध में धर्मनिरपेक्ष मानसिकता के निर्धारित पाठ (Text)के आधार पर मूल्यांकन करना	PO 1/PSO2	AN	C	10	00	
CO 8	निर्धारित पाठ (Text) के द्वारा सास्कृतिक फासीवाद और सांप्रदायिकता के विविध आयामों को समझना	PO 1/PSO2	U	C	6	00	
CO 9	भाषिक संरचना के आधार पर निर्धारित पाठ(Text) का विश्लेषण करना	PO 1/PSO4	U	C	10	00	

PHNM 10623 तुलनात्मक साहित्य(TULANATMAK SAHITYA)क्रेडिट-4

Course Learning Outcomes

CO 1 तुलनात्मक अध्ययन के स्वरूप को समझना

CO 2 वैज्ञानिक क्षेत्र में तुलनात्मक अध्ययन की समस्याओं का विश्लेषण करना

CO 3 जनसंचार-माध्यम के क्षेत्र में तुलनात्मक अध्ययन की समस्याओं को विश्लेषित करना

CO 4 भाषा एवं साहित्य अध्ययन की समस्याओं एवं संभावनाओं का विश्लेषण करना

CO 5 विश्व साहित्य,भारतीय साहित्य एवं हिंदी साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन की संभावनाओं को समझना

CO 6 साहित्यिक विधाओं के तुलनात्मक अध्ययन की संभावनाओं को पहचानना

CO 7 तुलनात्मक अध्यन के सांस्कृतिक संदर्भ को समझना

CO8 साहित्यिक कृतियों एवं साहित्यकारों का तुलनात्मक अध्यन करना

इकाई 1 तुलनात्मक अध्ययन–अर्थ,परिभाषा एवं स्वरूप–तुलनात्मक अध्ययन के सैद्धांतिक आधार –तुलनात्मक अध्ययन के विविध क्षेत्र–वैज्ञानिक क्षेत्र–जनसंचार माध्यम–भाषा एवं साहित्य तूलनात्मक अध्ययन की विविध समस्याएँ।

इकाई 2.साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन–अर्थ,परिभाषा एवं स्वरूप–साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन के सैद्धांतिक आधार–साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन के विविध क्षेत्र विश्व साहित्य,भारतीय साहित्य एवं हिंदी साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन की विविध संभावनाएँ–साहित्यिक विधाओं के तुलनात्मक अध्ययन की संभावनाएँ–साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन की विविध समस्याएँ।

इकाई 3. तुलनात्मक अध्ययन की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि–सांस्कृतिक विनिमय–वैश्विक दृष्टि।

इकाई 4. साहित्यिक कृतियों एवं साहित्यकारों का तूलनात्मक अध्ययन(दस पृष्ठों में–प्रायोगिक कार्य)

संदर्भ ग्रन्थ

1. तुलनात्मक अध्ययन स्वरूप और समस्याएं-सं.डा.भा.ह.राजुकर,डा.राजमल बोरा,वाणी प्रकाशन
2. तुलनात्मक साहित्य भारतीय परिप्रेक्ष्य-इंद्रनाथ चौधरी,वाणी प्रकाशन

3. तुलनात्मक साहित्य- डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लीशिंग हाऊस, नई दिल्ली

4. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका-इंद्रनाथ चौधरी,दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा मद्रास

5. Comparative Literature matter and method-ed. AlbridgeAO

6. Comparative Indian Literature-ed. A. Aravindakshan& N.Prasanthkumar

7. Comparative Behaviour- Amiya Dev

COURSE :**तुलनात्मक साहित्य(TULANATMAK SAHITYA)**

Credit :4 Total 72 Hours

CO	CO Statement	PO/PSO	CL	KC	Class Session & Tutorial Hour	Lab/Field Hours	Assessment
CO 1	तुलनात्मक अध्ययन के स्वरूप को समझना	PO3/PSO3	U	C	06	00	
CO 2	वैज्ञानिक क्षेत्र में तुलनात्मक अध्ययन की समस्याओं का विश्लेषण करना	PO3 PSO3	AN	C	06	00	
CO 3	जनसंचार-माध्यम के क्षेत्र में तुलनात्मक अध्ययन की समस्याओं को विश्लेषित करना	PO3/PSO3	AN	C	06	00	
CO 4	भाषा एवं साहित्य अध्ययन की समस्याओं एवं संभावनाओं का विश्लेषण करना	PO1 PSO 3	AN	C	12		
CO 5	विश्व साहित्य,भारतीय साहित्य एवं हिंदी साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन की संभावनाओं को समझना	PO3/PSO4	AN	C	12	00	
CO 6	साहित्यिक विधाओं के तुलनात्मक अध्ययन की संभावनाओं को पहचानना	PO3/PSO 4	U	C	12	OO	
CO 7	तुलनात्मक अध्यन के सांस्कृतिक संदर्भ को समझना	PO3/PSO4	U	C	08	00	
CO 8	साहित्यिक कृतियों एवं साहित्यकारों का तुलनात्मक अध्यन करना	PO3/PSO4	A	P	10	00	

PHNM 10624 आदिवासी साहित्य (ADIVASI SAHITYA)क्रेडिट-4

Course Learning Outcomes

CO 1 आदिवासी की अवधारणा,भारत के विभिन्न आदिवासी क्षेत्र एवं आदिवासी समाज,आदिवासी समाज की सामान्य विशेषताओं को समझना

CO 2 आदिवासी आंदोलनों के इतिहास को परखना

CO 3 आदिवासी साहित्य के उद्‌भव,विकास एवं आदिवासी साहित्य के प्रमुख रचनाकारों को जानना

CO 4 आदिवासी उपन्यास 'जंगल के गीत' को समय के संदर्भ से जोडकर विश्लेषित करना

CO 5 आदिवासी कहानियों को समय के संदर्भ से जोडकर विश्लेषित करना

CO 6 आदिवासी कहानियों को समय के संदर्भ से जोडकर विश्लेषित करना

इकाई-1 आदिवासी समाजः एक परिचय- आदिवासी शब्द की परिभाषा- भारत के विभिन्न आदिवासी क्षेत्र एवं आदिवासी समाज- आादिवासी सामान्य विशेषताएँ

इकाई-2 आदिवासी आंदोलन का इतिहास- कोल आंदोलन- मुण्डा तथा सन्थल आंदोलन्ल - बस्तर आंदोलन-चिपको आंदोलन-खरवार आंदोलन-सरदार आंदोलन बिसमा आंदोलन-उराज आंदोलन- झारखण्ड आंदोलन

इकाई-3 आदिवासी साहित्य उद्‌भव एवं विकास-प्रमुख आदिवासी रचनाकार-

इकाई-4 **पाठ्यपुस्तकें**

I. **उपन्यास**

जंगल के गीत-पीटर पॉल इक्का

II. **कहानी**

1. भंवर-रोज केरेकेट्टा
2. राजकुमारों के देश में -पीटर पॉल एक्का
3. विरासत -हजारी लाल मीणा
4. कहानी के बाहर की औरत-शंकरलाल मीणा
5. वनकन्या-एलिसा एक्का

III. कविता

1. कलम को तीर होने दो-ग्रेज कुजूर
2. सुबह के इंतज़ार में - हरिराम मीणा
3. विका का दर्द -डॉ राम दयाल मुंडा
4. सबसे बडा खतरा-महादेव टोप्पे
5. बिटिया मुर्मू केलिए -निर्मला पुतुल
6. सुगना मुंडा की बेटी-अनुजा लुगुन

सन्दर्भग्रंथ

1. आदिवासी कौन-रमणिका गुप्ता-राधाकृष्ण प्रकाशन
2. आदिवासी स्वर,संस्कार एवं प्रथाएँ-हरिनारायण दत्त-आकृति प्रकाशन,दिल्ली
3. भारतीय जनजातियाँ-भगवती प्रसाद द्विवेदी,नरेन्द्र कुमार बौधा-एवरेस्ट पब्लिकेशन
4. जनजातीय विकास:एक सैद्धातिंक विवेचन-मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी,नई दिल्ली
5. छतीसगढ की आदिम जनजातियाँ-अनिल किशोर सिंहा,नलिन बंक सेंटर,नई दिल्ली
6. भारतीय जनजातियाँ:अतीत के झरोखे से-रूपचंद्र वर्मा-सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय,नई दिल्ली
7. आदिवासी समाज एवं शिक्षा-राम चरण जोशी-ग्रंथ शिल्पी,नई दिल्ली
8. माओवादी या आदिवासी-त्रिपाठी अरूण कुमार,महाश्वेता देवी-वाणी प्रकाशन
9. आदिवासी भारत-अटल योगेश,श्याम चरण दुबे,राजकमल प्रकाशन
10. आदिवासी लोक कथाएँ-शंकर सोनाने-अखिल भारती,नई दिल्ली
11. आदिवासी अस्मिता की पडताल करने का साक्षात्कार-रमणिका गुप्ता-रमिएाका फाउण्डेशन
12. आदिवासी लोक:अस्मिता खंड-I-रमणिका गुप्त-शिल्पायन प्रकाशन
13. बादिवासी शौर्य एवं विद्रोह-रमणिका गुप्ता-रमणिका फाउण्डेशन
14. आदिवासी स्वर:वाचिक परंपरा व साहित्य भाग 2-चटर्जी वि एस,आकृति प्रकाशन
15. भारत के आदिवासी-मदुसूदन त्रिपाठी-अमोग पब्लिकेशन्स,नई दिल्ली

16. आदिवासियों की पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था एवं पंचायत्ती राज-सुधीर पाल,वाणी प्रकाशन
17. माओवाद:हिंसा और आदिवासी-राजकिशोर-वाणी प्रकाशन
18. आदिवासी विकास से विस्थापन-रमणिका गुप्ता-राधाकष्ण
19. आदिवासी संघर्ष गाथा-विनोद कुमार-प्रकाशन संस्थान,नई दिल्ली
20. पगहा जोरी रे घाटो-रोज केरकेट्टा-देशज प्रकाशन,नई दिल्ली
21. पूर्वोत्तर आदिवासि कहानियाँ -रमणिका गुप्ता-नेशनल बुक ट्रस्ट
22. आदिवासी स्वर और नई शताब्दी-रमणिका गुप्ता-वाणी प्रकाशन
23. आदमी से आदमी तक -रमणिका गुप्ता-शलभ प्रकाशन नई दिल्ली
24. आदिवासी लेखन :एक उभरती चेतना-रमणिका गुप्ता-सामाजिक प्रकाशन
25. आदिवासी साहित्यिक यात्रा-रमणिका गुप्ता-राधाकष्ण
26. आदिवासी साहित्य स्वरूप एवं विश्लेषण-डॉ शेख शाहेनाज बेगम अहेमद-समता प्रकाशन,कानपुर
27. एलिस एक्का की कहानियाँ-वंदना टेटे-राधाकृष्ण प्रकाशन
28. आदिवासी साहित्य यात्रा-रमणिका गुप्ता-राधाकष्ण
29. आदिवासी एवं संस्कृति-डॉ शैला चव्हाध कदम-रोश्नी पब्लिकेशन्स-dkuiwj
30. नगाडे की तरह बजते है शब्द-निर्मला पुतुल-भारतीय ज्ञानपीठ
31. हिंदी उपन्यासों में आदिवासी विमर्श-डॉ सरज्ञवति नारखेडे-रोली प्रकाशन,कानपुर
32. धूणी तपे तीर-हरिराम मीणा-साहित्य उपक्रम

COURSE :**आदिवासी साहित्य(ADIVASI SAHITYA)**Credit :4 Total 72 Hours

CO	CO Statement	PO/PSO	CL	KC	Class Session & Tutorial Hour	Lab/Field Hours	Assessment
CO 1	आदिवासी की अवधारणा,भारत के विभिन्न आदिवासी क्षेत्र एवं आदिवासी समाज,आदिवासी समाज की सामान्य विशेषताओं को समझना	PO 1/PSO 2	U	F	12	00	
CO 2	आदिवासी आंदोलनों के इतिहास को परखना	PO 1/PSO 1	U	F	12	00	
CO 3	आदिवासी साहित्य के उद्भव,विकास एवं आदिवासी साहित्य के प्रमुख रचनाकारों को जानना	PO 1/PSO 1	U	F	12	00	
CO 4	आदिवासी उपन्यास 'जंगल के गीत' को समय के संदर्भ से जोडकर विश्लेषित करना	PO 1/PSO 2	AN	M	12	00	
CO 5	आदिवासी कहानियों को समय के संदर्भ से जोडकर विश्लेषित करना	PO 1/PSO 1	AN	M	12	00	
CO 6	आदिवासी कहानियों को समय के संदर्भ से जोडकर विश्लेषित करना	PO 1/PSO2	M	M	12	00	

ELECTIVES FOR OUTSIDE DEPARTMENTS

SECOND SEMESTER

PHNS10625 बोलचाल की हिंदी (BOLCHAL KI HINDI) **क्रेडिट-4**

Course Learning Outcomes

CO 1 हिंदी की संरचनाओं से परिचित होना

CO 2 कारकों एवं पदों का ज्ञान प्राप्त करना

CO 3 सर्वनामों का परिचय एवं उनके साथ कारक जोडकर लिखना सीखना

CO 4 लिंग और वचन के संदर्भ को समझना

CO 5 हिंदी में विशेषण जोडने की प्रक्रिया को समझना

CO 6 हिंदी की क्रियाओं को जानना

CO 7 काल के आधार पर क्रिया का प्रयोग करना सीखना और वाक्य को जानना

CO8 वाक्य के प्रकारों का सामान्य ज्ञान प्राप्त करना

इकाई 1 शब्द भंडार–सार्वनामिक एवं प्रश्नसूचक शब्द–काल सूचक शब्द–शरीर के अंग–संबंध और रिश्ते–वेशभूषा–रोग और शारीरिक दशाएँ–घरेलू सामान—खाने पीने की चीज़े– तरकारी और फल–जानवर और पक्षी—गिनती (1-100)–छोटे हिस्से –हफ्ते –महीने–रंग–पेशेवर–विशेषण–क्रियासूचक शब्द–विभिन्न संस्थाओं एवं कार्यालयों के नाम आदि।

इकाई 2 प्रायोगिक व्याकरण–संज्ञा–सर्वनाम–लिंग–वचन–कारक–विशेषण–क्रिया–काल –वाच्य और प्रयोग--अव्यय–विविध प्रकारके अभिव्यक्तिपरक वाक्य और वाक्यांश।

इकाई 3 संवाद के विविध संदर्भ

-घर के विभिन्न संदर्भ

-मित्रों से

-दूकान पर

-डाक्टर से

-डाकघर से

-अस्पताल में

-बैंक में

- विद्यालय में

इकाई 4 सहायक बिंदु,चित्र,आदि की सहायता से विविध प्रोक्तियों में सृजनात्मक अभिव्यक्ति–सरल वाक्य या परिच्छेदों का मलयालम से हिंदी में अनुवाद।

COURSE :**बोलचाल की हिंदी(BOLCHAL KI HINDI)**Credit :4 Total 72 Hours

CO	CO Statement	PO/PSO	CL	KC	Class Session & Tutorial Hour	Lab/Field Hours	Assessment
CO 1	हिंदी की संरचनाओं से परिचित होना	PO 3/PSO4	U	F	8	00	
CO 2	कारकों एवं पदों का ज्ञान प्राप्त करना	PO 3/PSO4	U	F	4	00	
CO 3	सर्वनामों का परिचय एवं उनके साथ कारक जोडकर लिखना सीखना	PO 3/PSO4	U	F	8	00	
CO 4	लिंग और वचन के संदर्भ को समझना	PO 3/PSO4	U	F	4	00	
CO 5	हिंदी में विशेषण जोडने की प्रक्रिया को समझना	PO 3/PSO4	U	F	6	00	
CO 6	हिंदी की क्रियाओं को जानना	PO 3/PSO4	U	F	6	00	
CO 7	काल के आधार पर क्रिया का प्रयोग करना सीखना ओर वाक्य को जानना	PO 3/PSO4	U	F	8	00	
CO 8	वाक्य के प्रकारों का सामान्य ज्ञान प्राप्त करना	PO 3/PSO4	U	F	5	00	
CO 9	संवाद के संदर्भ सृजित करना	PO 3/PSO4	AP	P	12	00	
CO 10	मलयालम/अंग्रेज़ी से हिंदी में अनुवाद करना	PO 3/PSO4	AP	P	11	00	

THIRD SEMESTER(FOR OUTSIDE DEPARTMENT)

PHNM10626 कालिदास का पुनर्पाठ(KALIDAS KA PUNARPATT) क्रेडिट-4

Course Learning Outcomes

CO 1 विश्व कवि कालिदास के बहुआयामी व्यक्तित्व को समझना

CO 2 हिंदी एवं मलयालम साहित्य की विभिन्न विधाओं पर कालिदास के प्रभाव का मुल्यांकन करना

CO 3 कालिदास की रचनाओं की पुनर्व्याख्या वर्तमान संदर्भ में करना

CO 4 साहित्याध्ययन एवं साहित्यास्वादन के परिप्रेक्ष्य में समाज,सत्ता एवं राजनीति के हस्तक्षेप का विश्लेषण करना

CO 5 अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एवं लेखकीय प्रतिरोध के स्वरूप को निर्धारित करना

CO 6 कालिदास का अध्ययन सृजनात्मक अभिव्यक्ति के मिथक के रूप में करना

CO 7 समकाल में प्रस्तुत अध्ययन की प्रासंगिकता को रेखांकित करना

CO8 उपर्युक्त प्रवृत्तियों के आधार पर मलयालम एवं हिंदी की रन्चनाओं का विश्लेषण करना

इकाई 1 विश्व साहित्य में कालिदास–कालिदास का युग–कालिदास की रचनाएँ–कालिदास का बहुमुखी व्यक्तित्व–हिन्दी औरमलयालम के समकालीन साहित्यिक सन्दर्भ में कालिदास का अध्ययन

इकाई 2 हिन्दी और मलयालम रचनाओं पर कालिदास का प्रभाव–आधुनिक लेखकों द्वारा कालिदास की पुनर्व्याख्या

इकाई 3 समाज–लेखन–सत्ता–राजनीति–लेखकीय स्वतंत्रता–कालिदास का मिथक–आधुनिक साहित्य में उसका विकास

इकाई 4 प्रस्तुत अध्ययन की प्रासंगिकता

विस्तृतअध्ययन केलिए

1.आषाढ़ का एक दिन-मोहन राकेश

2.आठवाँ सर्ग-सुरेन्द्र वर्मा

3.उज्जयिनी-ओ.एन.वी.कुरुप

4.कालिदासन-डॉ.के.सी.अजय कुमार

संदर्भग्रन्थ

1. उज्जयिनियिले कालिदासन-लेखन संघ वाग्भव प्रकाशन,कोषि़क्कोड
2. कालिदास की लालित्य योजना-हज़ारी प्रसाद द्विवेदी
3. कालिदास औरउनका युग-सं.गोविन्द चन्द्र पाण्डे,राकाप्रकाशन,इलाहाबाद
4. आधुनिक नाटक का मसीहा-गोविन्द चातक
5. मोहन राकेशःअपने नाटकों के दायरे में-व्रजनन्दन दास
6. कम्यूनिस्ट कवित्रयम्-एम.आर.चन्द्रशेखरन
7. सुरेन्द्रवर्मा के नाटकों में रंगमंचीयता-देवेन्द्र कुमार गुप्ता
8. सुरेन्द्वर्माःव्यक्ति एवं कृतित्व-डॉ.भानु भाई रोहित,चिंतन प्रकाशन
9. नाटककार सुरेन्द्र वर्मा-डॉ.अशोक एस.पटेल
10. कालिदासवैखरी- डॉ.इन्दिरा बालकृष्णन, केरल भाषाइन्स्टिट्यूट, तिरुवनन्तपुरम
11. रचना के सरोकार-विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
12. कालिदासहृदयम्तेडि- के.पी.नारायण पिषारडि
13. कालिदासनःओरु पठनम्-डॉ.सुधांशु च्तुर्वेदी
14. अन्धनाया दैवम्- पि.के. राजशेखरन

COURSE :**कालिदास का पुनर्पाठ(KALIDAS KA PUNARPATT)**

Credit :4Total 72 Hours

CO	CO Statement	PO/PSO	CL	KC	Class Session & Tutorial Hour	Lab/Field Hours	Assessment
CO 1	विश्व कवि कालिदास के बहुआयामी व्यक्तित्व को समझना	PO1/PSP1	U	C	8	00	
CO 2	हिंदी एवं मलयालम साहित्य की विभिन्न विधाओं पर कालिदास के प्रभाव का मुल्यांकन करना	PO 1/ PSO 2	U	C	8	00	
CO 3	कालिदास की रचनाओं की पुनर्व्याख्या वर्तमान संदर्भ में करना	PO4/ PSO 2	AN	C	8	00	
CO 4	साहित्याध्ययन एवं साहित्यास्वादन के परिप्रेक्ष्य में समाज,सत्ता एवं राजनीति के हस्तक्षेप का विश्लेषण करना	PO1/ PSO3	AN	C	8	00	
CO 5	अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एवं लेखकीय प्रतिरोध के स्वरूप को निर्धारित करना	PO1/PSO3	AN	C	9	00	
CO 6	कालिदास का अध्ययन सृजनात्मक अभिव्यक्ति के मिथक के रूप में करना	PO4/PSO1	AN	C	9	00	
CO 7	समकाल में प्रस्तुत अध्ययन की प्रासंगिकता को रेखांकित करना	PO4/PSO2	AN	C	10	00	
CO 8	उपर्युक्त प्रवृत्तियों के आधार पर मलयालम एवं हिंदी की रन्चनाओं का विश्लेषण करना	PO4/PSO1	AN	C	12	00	

PHNM10627 रचनात्मक हिंदी (RACHANATMAK HINDI) **क्रेडिट-4**

Course Learning Outcomes

CO 1 हिंदी की वाक्य संरचना पदबंध और अव्ययों को समझना

CO 2 हिंदी की लोकोक्तियों और मुहावरों का ज्ञान प्राप्त करना

CO 3 निबंध, कविता, कहानी ,डायरी, लघुनाटक की सृजनप्रक्रिया को समझना,रचना करना

CO 4 रिपोर्ताज,फीचर,विज्ञापन,टिप्पणी लेखन को समझना तथा इनका सृजनात्मक लेखन करना

CO 5 विधाओं का परस्पर रूपातंरण करना

CO 6 अंग्रेज़ी/मलयालम से हिंदी में अनुसृजन करना

इकाई 1 हिंदी की वाक्य संरचना–वाक्य के अंग–वाक्य के प्रकार–पदबन्ध—पदबंध के प्रकार,अव्यय एवं उसके प्रकार

इकाई 2 हिंदी के विशेष प्रयोग–हिंदी भाष की लोकोक्तियाँ–हिंदी भाषा में प्रयुक्त मुहावरे–शब्दों के अर्थ संकोच एवं अर्थ विस्तार के संदर्भ

इकाई 3 हिंदी मे साहित्यिक सृजनात्मक लेखन-निबंध,कहानी,कविता,लघु नाटक,डायरी–मीडिया के क्षेत्र में लेखन-रिपोर्ताज-फीचर,विज्ञापन,टिप्पणी

इकाई 4 विधाओं का परस्पर रूपांतरण –विविध विधाओं से अनुसृजन(अंग्रेज़ी/मलयालम से हिंदी)

संदर्भ ग्रंथ :-

1.हिंदी भाषा की संरचना :भोलानाथ तिवारी

2. हिंदी भाषा की वाक्य संरचना:भोलानाथ तिवारी

3.हिंदी: उद्भव विका और रूप :हरदेव बाहरी

4.हिंदी व्याकरण :कामता प्रसाद गुरु

5.हिंदी शब्दानुशासन: किशोरीदास वाजपेयी

COURSE :रचनात्मक हिंदी(RACHANATMAK HINDI)

Credit :4Total 72 Hours

CO	CO Statement	PO/PSO	CL	KC	Class Session & Tutorial Hour	Lab/Field Hours	Assessment
CO 1	हिंदी की वाक्य संरचना पदबंध और अव्ययों को समझना	PO3/PSO4	U	F	10	00	
CO 2	हिंदी की लोकोक्तियों और मुहावरों का ज्ञान प्राप्त करना	PO 3/ PSO4	U	F	10	00	
CO 3	निबंध, कविता, कहानी ,डायरी, लघुनाटक की सृजनप्रक्रिया को समझना,रचना करना	PO2/ PSO 4	APL CR	P	10	00	
CO 4	रिपोर्ताज,फीचर,विज्ञापन,टिप्पणी लेखन को समझना तथा इनका सृजनात्मक लेखन करना	PO2/ PSO4	APL CR	P	10	00	
CO 5	विधाओं का परस्पर रूपातंरण करना	PO2PSO4	APL CR	P	12	00	
CO 6	अंग्रेज़ी/मलयालम से हिंदी में अनुसृजन करना	PO2/PSO4	APL	P	12	00	

PHNM10628 हिंदी एवं संस्कृत व्याकरणः सामान्य तुलनात्मक अध्ययन

(HINDI EVOM SANSKRIT VYAKARAN: SAMANYA TULANATMAK ADHYAYAN) **क्रेडिट-4**

Course Learning Outcomes

CO 1 संस्कृत एवं हिंदी में सामान्यतः प्रयुक्त विभिन्न शब्दों का अध्ययन करना

CO 2 संस्कृत एवं हिंदी के लिंग निर्धारण के विभिन्न संदर्भों को सामान्यतः समझना

CO 3 संस्कृत एवं हिंदी की वचन व्यवस्था का सामान्य ज्ञान प्राप्त करना

CO 4 संस्कृत एवं हिंदी के कारक प्रयोग व्यवस्था के साम्य वैषम्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त करना

CO 5 संस्कृत एवं हिंदी की क्रिया संरचना के विभिन्न संदर्भों का समान्य ज्ञान प्राप्त करना

CO 6 संस्कृत एवं हिंदी की वाक्य संरचना को तुलनात्मक दृष्टि से सामान्यतः समझना

CO 7 हिंदी से संस्कृत एवं संस्कृत से हिंदी में अनुवाद की क्षमता प्राप्त करना

इकाई1 हिंदी एवं संस्कृत भाषा–शब्द भंडार–लिंग एवं वचन व्यवस्था

इकाई2 संस्कृत एवं हिंदी की कारक व्यवस्था

इकाई3 संस्कृत एवं हिंदी की क्रिया एवं वाक्य संरचना

इकाई4 हिंदी से संस्कृत एवं संस्कृत से हिंदी में अनुवाद

संदर्भ ग्रंथ :-

1.हिंदी व्याकरण तथा रचना:हरदेव बाहरी,किताब महल

2. मानक हिंदी : व्रजमोहन

3.बालप्रबोधनम्

4.लघुसंस्कृतम्

5.संस्कृत प्रवेशिका

6.अभ्यास पुस्तकम्

COURSE :**हिंदी एवं संस्कृत व्याकरण: समान्य तूलनात्मक अध्ययन**

(HINDI EVOM SANSKRIT VYAKARAN: SAMANYA TULANATMAK ADHYAYAN)

Credit :4Total 72 Hours

CO	CO Statement	PO/PSO	CL	KC	Class Session & Tutorial Hour	Lab/Field Hours	Assessment
CO 1	संस्कृत एवं हिंदी में सामान्यत: प्रयुक्त विभिन्न शब्दों का अध्ययन करना	PO1/ PSO 3	U	F	10	00	
CO 2	संस्कृत एवं हिंदी के लिंग निर्धारण के विभिन्न संदर्भों को सामान्यत: समझना	PO 1/ PSO4	AN	F	10	00	
CO 3	संस्कृत एवं हिंदी की वचन व्यवस्था का सामान्य ज्ञान प्राप्त करना	PO1/ PSO 4	U	F	10	00	
CO 4	संस्कृत एवं हिंदी के कारक प्रयोग व्यवस्था के साम्य वैषम्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त करना	PO 1/ PSO3	U	F	10	00	
CO 5	संस्कृत एवं हिंदी की क्रिया संरचना के विभिन्न संदर्भों का समान्य ज्ञान प्राप्त करना	PO1/PSO4	AV	F	12	00	
CO 6	संस्कृत एवं हिंदी की वाक्य संरचना को तुलनात्मक दृष्टि से सामान्यत: समझना	PO1/PSO4	AN	C	10	00	
CO7	हिंदी से संस्कृत एवं संस्कृत से हिंदी में अनुवाद की क्षमता प्राप्त करना	PO1/PSO4	AP	P	10	00	